Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 15
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 22 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 संजय राउत ने कम से कम तेरह लोगों को...

4 अरावली श्रृंखला और पर्यावरणीय संकट को ...

7 घर से टी20 वर्ल्ड कप देखना थोड़ा अजीब...

ज्ञान, तकनीक और विदेशी निवेश के लिए दावोस दौरा: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

तीसरी मुंबई में रायगड-पेण ग्रोथ सेंटर की घोषणा, एक लाख करोड़ रुपये का निवेश संभावित

दावोस (स्विट्ज़रलैंड)। विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) की वार्षिक बैठक के अवसर पर किया गया दावोस दौरा भारत और विशेष रूप से महाराष्ट्र के लिए ज्ञान, अत्याधुनिक तकनीक और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (इञ्ध) आकर्षित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह बात मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने आज दावोस में कही। इस अवसर पर उन्होंने 'तीसरी मुंबई' के अंतर्गत पहले शहर के रूप में रायगड-पेण ग्रोथ सेंटर की ऐतिहासिक घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने बताया कि दौरे के दूसरे दिन कई रणनीतिक और तकनीकी सहयोग समझौते (श्दळ) किए गए हैं। इनमें यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया (बर्कले), टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख, अर्बन फ्यूचर्स कलेक्टिव (लंदन), आईसीसीआई-इटली, नॉर्वेजियन जियोटेक्निकल इंस्टीट्यूट, सुबाना जुरोंग (सिंगापुर) सहित विश्व की प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ सहयोग शामिल है।

इन समझौतों के माध्यम से महाराष्ट्र केवल निवेश ही नहीं, बल्कि वैश्विक ज्ञान और तकनीक भी आत्मसात कर रहा है, जिससे उद्योग, शहरी नियोजन और परिवहन व्यवस्था को नई दिशा

मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दावोस दौरे से नॉलेज, टेक्नोलॉजी और एफडीआई– तीनों का लाभ राज्य को मिलता है। इस वर्ष विशेष रूप से शहरी नियोजन और परिवहन क्षेत्र में वैश्विक दिग्गज कंपनियों से सकारात्मक संवाद हुआ है, जिससे महाराष्ट्र के शहरों की आधारभूत संरचना और अधिक सुदृढ़ होगी।

अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के लिए मेडटेक सहयोग

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने बताया कि राज्य के अंतिम व्यक्ति तक त्वरित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से दावोस में मेडिकल-टेक्नोलॉजी (मेडटेक) पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस चर्चा से महाराष्ट्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया है। साथ ही, राज्य में मेडटेक स्टार्ट-अप इकोसिस्टम विकसित करने हेतु विश्व की अग्रणी कंपनियों के साथ सहयोग समझौते किए गए हैं।

रायगड-पेण ग्रोथ सेंटरः नई बिजनेस डिस्ट्रिक्ट की नींव

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मात्र 15-20 किलोमीटर की दूरी पर रायगड-पेण ग्रोथ सेंटर विकसित किया जाएगा। यह 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर आधारित होगा, जहां उद्योग तुरंत कार्य शुरू कर सकेंगे।

यह देश का पहला ऐसा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप आधारित ग्रोथ सेंटर होगा, जिसमें राज्य सरकार, एमएमआरडीए और निजी क्षेत्र मिलकर कार्य करेंगे। यहां बीकेसी की तर्ज पर एक आधुनिक बिजनेस डिस्ट्रिक्ट विकसित किया जाएगा, जहां उच्च वेतन वाली नौकरियां, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और फिनटेक इकोसिस्टम को बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना के तहत लगभग एक लाख करोड़ रुपये के निवेश से संबंधित समझौते किए गए हैं।

इन निवेशकों में दक्षिण कोरिया का हवाना ग्रुप, स्विट्ज़रलैंड का एसएसबी ग्रुप, अमेरिका की फेडेक्स, फिनलैंड का रिवर रिसायकल ग्रुप, दुबई का एमजीएसए ग्रुप, सिंगापुर का मेपलट्री, जीनवी, इंडोस्पेस पार्क और ट्रिबेका डेवलपर्स जैसी वैश्विक कंपनियां शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शहर 'वॉक-टू-वर्क' अवधारणा पर आधारित होगा और तीसरी मुंबई का पहला शहर अब वास्तविकता बनने जा रहा है।

दावोस में 'मैग्नेटिक महाराष्ट्र' पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र

दावोस में स्थापित मैग्नेटिक महाराष्ट्र पवेलियन निवेशकों और उद्योगपतियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत के नेतृत्व में महाराष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल ने देश-विदेश से आए गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया।इस अवसर पर रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से भी मुख्यमंत्री ने भेंट कर शुभेच्छाएं दीं।

जयशंकर ने स्पेनिश विदेश मंत्री से की मुलाकात, शिक्षा-व्यापार-एआई में साझेदारी पर दिया जोर

नई दिल्ली। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस इन दिनों भारत के दौरे पर हैं। जहां बुधवार को एस जयशंकर ने उनसे मुलाकात की। इस मुलाकात की खास बात यह रही है कि इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत- स्पेन डुअल ईयर ऑफ कल्चर, टूरिज्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का लोगो लॉन्च किया। यह कार्यक्रम दोनों देशों के 70 साल पुराने कूटनीतिक संबंधों का प्रतीक है। इस अवसर पर भारत ने स्पेन का औपचारिक स्वागत इंडो-पैसिफिक ओशंस इनिशिएटिव (आईपीओआई) में भी किया।

इस मुलाकात के बारे में विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह साझेदारी दोनों देशों के बीच शिक्षा, व्यापार, निवेश, रक्षा, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने स्पेन का धन्यवाद किया कि वह यूरोपीय संघ और भारत के बीच संबंधों को और गहरा करने में सहयोग कर रहा है।

विदेश मंत्रालय ने दी जानकारी

बता दें कि इस दौरान स्पेनिश विदेश मंत्री ने आईपीओआई में शामिल होने का हस्ताक्षरित डिक्लेरेशन जयशंकर को सौंपा। इस बारे में विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और स्पेन इस पहल के तहत मिलकर एक स्वतंत्र, खुला और समावेशी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे।

2019 में भारत ने की थी शुरुआता

गौरतलब है कि इंडो-पैसिफिक ओशंस इनिशिएटिव की शुरुआत भारत ने नवंबर 2019 में बैंकॉक में ईस्ट एशिया समिट के दौरान की थी। यह एक स्वैच्छिक समझौता है जो देशों के बीच सहयोग और नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देता है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल यूरोपीय संघ के आईपीओआई में शामिल होने और रक्षा-सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की थी।

लालच की महामारी फैल चुकी है, 'शहरी सड़न' को 'न्यू नॉर्मल' मान लिया गया हैः राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे की स्थिति को लेकर बुधवार को दावा किया कि देश में लालच की महामारी फैल चुकी है और समाज मर रहा है क्योंकि ''शहरी सड़न'' को 'न्यू नॉर्मल (अब सामान्य बात)' मान लिया गया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पत्रकार का वीडियो का साझा किया जिसमें दिल्ली के किराड़ी इलाके में में कई घरों के सामने पानी और कचरा जमा होने का उल्लेख किया गया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''हर आम भारतीय की जिदगी आज ऐसी ही नर्क की यातना बन गई है। सिस्टम सत्ता के सामने बिक चुका है। सब एक-दूसरे की पीठ थपथपाते हैं और मिलकर जनता को रौंदते हैं।'' उन्होंने कहा, ''देश में लालच की महामारी फैल चुकी है, शहरी सड़न जिसका सबसे डरावना चेहरा है। हमारा समाज इसलिए मर रहा है क्योंकि हमने इस सड़न को 'न्यू नॉर्मल' मान लिया है, सुन्न, निशब्द, बेपरवाह।'' राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि जवाबदेही की मांग करो, वरना यह सड़न हर दरवाज़े तक पहुंचेगी।

मोदी कैबिनेट ने लिये दो बड़े फैसले, अटल पेंशन योजना का किया विस्तार, एमएसएमई को सस्ती पूंजी उपलब्ध कराने का रास्ता भी किया साफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज दो अहम और दूरगामी फैसले लिए गए जिनका सीधा असर देश के करोड़ों मेहनतकश लोगों और छोटे उद्यमियों पर पड़ेगा। एक ओर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को बुढ़ापे की सुरक्षा देने वाली अटल पेंशन योजना को वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है वहीं दूसरी ओर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सस्ती पूंजी उपलब्ध कराने के लिए स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया को 5000 करोड़ रुपये की इक्विटी सहायता मंजूर की गई है।

कैबिनेट ने अटल पेंशन योजना को आगे बढ़ाते हुए इसके प्रचार प्रसार, क्षमता निर्माण और विकासात्मक गतिविधियों के लिए सरकारी सहयोग जारी रखने का फैसला किया है। इसके साथ ही योजना को टिकाऊ बनाए रखने के लिए गैप फंडिंग की व्यवस्था भी जारी रहेगी। हम आपको बता दें कि वर्ष 2015 में शुरू हुई यह योजना 60 वर्ष की आयु के बाद 1000 से 5000 रुपये मासिक पेंशन की गारंटी देती है। जनवरी 2026 तक इस योजना से 8 करोड़ 66 लाख से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। सरकार का मानना है कि निरंतर सहयोग से असंगठित क्षेत्र के और अधिक श्रमिकों तक इसका लाभ पहुंचेगा और देश एक पेंशनयुक्त समाज की ओर मजबूत कदम बढ़ाएगा।

वहीं दूसरे बड़े फैसले के तहत स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया को 5000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी तीन चरणों में दी जाएगी। इसका उद्देश्य बैंक की पूंजीगत स्थिति को मजबूत करना और एमएसएमई क्षेत्र को अधिक ऋण उपलब्ध कराना है। इस पूंजी निवेश के बाद वर्ष 2028 तक लगभग 25 लाख 74 हजार नए एमएसएमई लाभार्थी जुड़ने की उम्मीद है। मौजूदा औसत के अनुसार इससे करीब 1 करोड़ 12 लाख नए रोजगार सृजित हो सकते हैं। सरकार के अनुसार मजबूत पूंजी आधार से बैंक सस्ती दरों पर संसाधन जुटा सकेगा और छोटे उद्योगों को प्रतिस्पर्धी लागत पर ऋण मिलेगा।

देखा जाये तो आज के ये दोनों फैसले जनहित और दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा के सूत्र में बँधे हैं। अटल पेंशन योजना का विस्तार यह स्वीकार करता है कि भारत की असली अर्थव्यवस्था आज भी असंगठित क्षेत्र के कंधों पर टिकी है। रिक्शा चालक, घरेलू कामगार, रेहड़ी पटरी वाले, खेत मजदूर या छोटे कारीगर, इनके लिए बुढ़ापा अक्सर असहायता का दूसरा नाम रहा है। सरकार द्वारा इस योजना को 2030 तक बढ़ाना दरअसल इस वर्ग को यह भरोसा देना है कि काम करने की उम्र बीत जाने के बाद भी जीवन की गरिमा बनी रहेगी।

कर्नाटक विधानसभा सत्र से पहले बड़ा घटनाक्रम, राज्यपाल ने संयुक्त सत्र को संबोधित करने से किया इनकार

बंगलूरू। केरल और तमिलनाडु के बाद अब कर्नाटक में राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच विवाद खड़ा हो गया है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 22 जनवरी को राज्य विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इनकार कर दिया है। इससे पहले तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि मंगलवार को विधानसभा में अपना उद्घाटन भाषण देने से पहले ही बाहर चले गए थे। उन्होंने राष्ट्रगान के प्रति अनादर की भावना व्यक्त करते हुए निराशा जताई थी। वहीं केरल में मंगलवार को तब विवाद उत्पन्न हो गया जब मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने विधानसभा में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के संबोधन समाप्त करने के तुरंत बाद आरोप लगाया था कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित नीतिगत भाषण को पूरी तरह नहीं पढ़ा।

संयुक्त सत्र से इनकार क्यों अहम है?

कर्नाटक विधानसभा का संयुक्त सत्र 22 से 31 जनवरी तक प्रस्तावित है और इसकी शुरुआत परंपरागत रूप से राज्यपाल के संबोधन से होती है। लेकिन राज्यपाल द्वारा संबोधन से इनकार के बाद स्थिति असमंजस भरी हो गई है। राज्य सरकार की ओर से

कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से मुलाकात करने वाला है। फिलहाल राज्यपाल के इनकार के स्पष्ट कारण सामने नहीं आए हैं, लेकिन सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक तय मानी जा रही है।

मनरेगा पर टकराव और कांग्रेस का रुख

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को खत्म करने का आरोप लगा रही है। राज्य सरकार इस मुद्दे पर विधानसभा में प्रस्ताव लाने की तैयारी में है और नए 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' कानून को स्वीकार न करने का फैसला कर चुकी है। कांग्रेस का कहना है कि यह कदम गरीबों और ग्रामीण रोजगार के खिलाफ है। इसी पृष्ठभूमि में संयुक्त सत्र को लेकर टकराव और गहराने की आशंका है।

राज्य सरकार ने कही यह बात

कर्नाटक के कानून मंत्री एचके पाटिल ने कहा, राज्यपाल कल सुबह 11 बजे विधानसभा और विधान परिषद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। वह हमें संबोधित करेंगे। कैबिनेट ने उनका भाषण तैयार किया है और उन्हें भेज दिया है। उम्मीद है कि वह संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। भारत का संविधान यह अनिवार्य करता है कि सरकार का संबोधन राज्यपाल द्वारा किया जाए। राज्यपाल का भाषण सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विचारों की घोषणा के अलावा और कुछ नहीं है... हम केंद्र सरकार से इस बात पर सहमत नहीं हैं कि मनरेगा को खत्म किया जाना चाहिए... अगर कुछ भी आपत्तिजनक होता तो हम भाषा बदलने के लिए तैयार थे। लेकिन वे चाहते थे कि इसे हटा दिया जाए। कैबिनेट ने फैसला ले लिया है, हम राज्यपाल को यह नहीं बता सकते कि यह होगा या नहीं। हम मुख्यमंत्री से सलाह लेंगे।

कल्याण-डोंबिवली में सियासी उलटफेर

शिंदे गुट की शिवसेना को मनसे का समर्थन, बिना भाजपा कैसे बनेगा मेयर?

मुंबई। कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव के बाद राजनीति ने नया मोड़ ले लिया है। आमतौर पर एक-दूसरे की विरोधी मानी जाने वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने अब शिंदे गुट की शिवसेना को समर्थन देने का ऐलान किया है। इस समर्थन के बाद शिवसेना की संख्या 58 तक पहुँच गई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या शिवसेना अपने दम पर सत्ता बनाएगी या गठबंधन में अपनी स्थिति और मज़बूत करेगी? महाराष्ट्र के कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) चुनाव के बाद यह बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। मनसे की ओर से यह घोषणा पूर्व विधायक प्रमोद (राजू) पाटिल ने पार्टी के पाँच पार्षदों की ओर से की। इससे पहले शिवसेना के सभी 53 पार्षद नवी मुंबई स्थित कोंकण संभागीय आयुक्त कार्यालय पहुँचे और अपने गुट का औपचारिक पंजीकरण कराया।

उसी स्थान पर मनसे के पाँचों पार्षदों ने भी प्रक्रिया पूरी करते हुए शिवसेना को समर्थन देने की घोषणा कर दी। नगर निगम की सत्ता-संरचना के लिहाज़ से

इसे अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि शिवसेना या तो अपने दम पर नगर निगम में सरकार बनाने की कोशिश कर रही है या फिर गठबंधन में मोलभाव की अपनी स्थिति मज़बूत कर रही है।

केडीएमसी चुनाव के नतीजे क्या कहते हैं?

122 सदस्यीय कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के चुनाव परिणाम 16 जनवरी को घोषित हुए थे। नतीजों में शिंदे गुट की शिवसेना को 53 सीटें, भारतीय जनता पार्टी को 50, शिवसेना (यूबीटी) को 11, मनसे को 5, कांग्रेस को 2 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) को 1 सीट मिली। नगर निगम में सत्ता बनाने के लिए 62 सीटों की आवश्यकता होती है। फिलहाल शिवसेना के 53 पार्षदों के साथ मनसे के 5 पार्षदों का समर्थन मिलने से कुल संख्या 58 हो गई है।

यूबीटी गुट के पार्षदों से भी संपर्क

सूत्रों के अनुसार, शिंदे गुट की शिवसेना के संपर्क में यूबीटी गुट के कुछ पार्षद भी बताए जा रहे हैं। यदि इनमें से कुछ का समर्थन मिल जाता है, तो शिवसेना बहुमत के आँकड़े के और करीब पहुँच सकती है।

महागणेशोत्सव के अंतर्गत तीन दिवसीय व्याख्यानमाला का भव्य शुभारंभ

मंत्री आशीष शेलार की उपस्थिति में होंगे विविध विषयों पर नामचीन वक्ताओं के व्याख्यान

मुंबई। महाराष्ट्र शासन द्वारा गणेशोत्सव को राज्य महोत्सव का दर्जा दिए जाने के उपलक्ष्य में महागणेशोत्सव के अंतर्गत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पु. ल. देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमी, मुंबई एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 22, 23 और 24 जनवरी को तीन दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है। इस व्याख्यानमाला का शुभारंभ राज्य के सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार के कर-कमलों द्वारा 22 जनवरी को सायं 5.30 बजे किया जाएगा।

व्याख्यानमाला के अंतर्गत 22 जनवरी को वरिष्ठ लेखक, विश्लेषक एवं विचारक अच्युत गोडबोले 'एआई तकनीक और कला जगत' विषय पर व्याख्यान देंगे। 23 जनवरी को पुरातत्वविद एवं पुरातत्व तथा संग्रहालय संचालनालय के निदेशक डॉ. तेजस गर्गे 'छत्रपति शिवाजी महाराज के किलों के यूनेस्को नामांकन की रोमांचक यात्रा' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। वहीं 24 जनवरी को मराठी भाषा विभाग एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी 'अभिजात मराठी : इतिहास, वर्तमान और भविष्य' विषय पर संवाद करेंगे। यह व्याख्यानमाला प्रतिदिन सायं 6 बजे अकादमी परिसर के तृतीय तल स्थित लघुनाट्यगृह में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने अधिक से अधिक रसिकों, साहित्य प्रेमियों एवं नागरिकों से इस ज्ञानवर्धक व्याख्यानमाला का लाभ उठाने का आह्वान किया है।

जम्मू-कश्मीर में छिपे पाकिस्तान के 50 'ए' ग्रेड दहशतगर्द, ओवर ग्राउंड वर्कर का नेटवर्क तोड़ना बना चुनौती

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में पड़ोसी मुल्क 'पाकिस्तान' के लगभग 50 'ए' ग्रेड दहशतगर्द छिपे हुए हैं। इनमें से ज्यादातर आतंकियों की ट्रेनिंग 'अफगानिस्तान' फ्रंट पर हुई है। कश्मीर घाटी में इनके अलावा दर्जनभर लोकल आतंकी भी सक्रिय बताए गए हैं। 'ए' ग्रेड पाकिस्तानी दहशतगर्दों को 'ओवर ग्राउंड वर्कर' से भरपूर मदद मिल रही है। इनके नेटवर्क को तोड़ना सुरक्षा बलों के लिए किसी बड़ी 'चुनौती' से कम नहीं है। जेकेपी, सेना और बीएसएफ व सीआरपीएफ द्वारा 'ओवर ग्राउंड वर्कर' तक पहुंचने के लिए लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। श्रीनगर व दूसरे इलाकों में संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' और 'लश्कर-ए-तैयबा' एवं इनके मुखौटे संगठनों से जुड़े 'ओजीडब्लू' की संख्या दो सौ से ज्यादा बताई जा रही है। ये लोग, आतंकियों को राशन, गैस सिलेंडर और टैंट सप्लाई के अलावा सेना व दूसरे केंद्रीय बलों की मूवमेंट का अलर्ट भी देते हैं।

'ओवर ग्राउंड वर्कर्स' से मिल रही भरपूर

मदद

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाकों में छिपे दहशतगर्दों के खात्मे के लिए सुरक्षा बलों द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। छातरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में मुठभेड़ के दौरान सेना का एक शहीद हो गया, जबकि सात अन्य घायल बताए गए हैं। सुरक्षा बलों ने उस ठिकाने को ढूंढ लिया, जहां पर आतंकी छिपे थे। हालांकि, सभी आतंकी घने जंगल में भाग गए। यह ठिकाना 12 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर तैयार किया गया था। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद्य बताते हैं कि चावल, अंडे, घी व सिलेंडर, आतंकियों के ठिकाने पर मिला ये सामान कहां से आया होगा। जाहिर सी बात है कि ये सामान, पाकिस्तान से तो नहीं आया। इस सामान को किसी ने आतंकियों के ठिकाने तक पहुंचाया भी होगा। मतलब साफ है कि आतंकियों को 'ओवर ग्राउंड वर्कर्स' से भरपूर मदद मिल रही है। सुरक्षा बल, ऐसे ओवर ग्राउंड वर्कर्स की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में 25000 सहायक शिक्षकों का भर्ती घोटाला

रिश्वत लेकर जारी किए गए थे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में 25000 सहायक शिक्षकों के भर्ती घोटाले में रिश्वत लेकर नियुक्ति पत्र जारी किए गए। भर्ती प्रक्रिया समाप्त होने की तय समय सीमा के बाद भी नियुक्ति पत्र देने का काम चलता रहा। ईडी ने इस मामले में अभी तक आरोपियों की 698 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। सर्वोच्च न्यायालय ने गत वर्ष तीन अप्रैल को एसएलपी (सिविल) संख्या 9586/2024 में पश्चिम बंगाल राज्य बनाम बैशाखी भट्टाचार्य (चटर्जी) और अन्य के मामले में अपने फैसले के माध्यम से 25000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया को दूषित और दागदार बताया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने पश्चिम बंगाल केंद्रीय विद्यालय सेवा आयोग (एसएससी) सहायक शिक्षक भर्ती घोटाले (कक्षा 9 से 12) के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत लगभग 57.78 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। जब्त की गई संपत्तियां विधायक जीवन कृष्ण साहा, प्रसन्ना कुमार रॉय और अन्य की हैं। इन संपत्तियों में उत्तर 24 परगना जिले के राजारहाट, न्यू टाउन, पाथरघाटा, गरगरी और अन्य आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ मुर्शिदाबाद और पूर्वी बर्धमान जिलों में स्थित कई आवासीय अपार्टमेंट, विला और भूमि के टुकड़े शामिल हैं। जब्त की गई संपत्तियों में कोलकाता के एचआईडीको द्वारा विकसित क्षेत्र भी शामिल हैं। ये संपत्तियां कक्षा 9 से 12 तक के सहायक शिक्षकों की अवैध नियुक्तियों से प्राप्त अपराध की आय से अधिग्रहित की गई हैं।

रतलाम मंडल पर मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की द्वितीय बैठक का आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की द्वितीय बैठक का आयोजन किया गया । 21 जनवरी, को संपन्न डीआरयूसीसी की इस द्वितीय बैठक में कुल 19 सदस्यों में से 14 सदस्य तथा एक सदस्य के प्रतिनिधि शामिल हुए एवं क्षेत्रीय रेल उपभोक्ता समिति के तीन सदस्य शामिल हुए।

बैठक के प्रारंभ में मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की सचिव एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्रीमती हीना वी. केवलरामानी द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत किया गया। इसके उपरांत सभी सदस्यो एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा अपना-अपना परिचय दिया गया। समिति के अध्यक्ष व मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार ने अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि समिति के सदस्यगण रेलवे एवं उपभोक्ताओं के बीच एक कड़ी का काम करते हैं तथा इनके माध्यम से रेल उपभोक्ताओं की समस्याओं को समझने में मदद मिलती है। इस अवसर पर कुमार ने रतलाम मंडल पर किए जा रहे अधोसंरचनात्मक विकास कार्यों एवं यात्री सुविधा से संबंधित कार्यों के बारे में माननीय सदस्यों को अवगत कराया । इस दौरान मंडल की जनवरी 2025 से दिसम्बर 2025 तक की मंडल की उपलब्धियों को पावर पाईंट प्रेजेंटेशन के

माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस दौरान समिति के सदस्यों को रेलवन ऐप के बारे में भी बताया गया तथा सदस्सों से अपने स्तर पर रेल उपभोक्ताओं तक इसकी जानकारी साझा करने हेतु कहा गया।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आज की इस बैठक में मंडल रेल उपभोक्ता समिति के माननीय सदस्यों में से एक सदस्या को क्षेत्रीय रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति का भी चुनाव हुआ। समिति के सदस्यों के मध्य आम सहमति नहीं होने के कारण मतपत्र के माध्यम से वोटिंग कराई गई जिसमें तरूण व्यास उपस्थित 15 सदस्यों में से 10 मत प्राप्त कर पहले स्थान पर रहे। इनका नाम क्षेत्रीय रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति में शामिल करने के लिए मुख्यालय प्रेषित कर दिया गया है।

बैठक के दौरान समिति के माननीय सदस्यों द्वारा रेलवे द्वारा किये जा रहे विकासात्मक कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया तथा सदस्यों ारा अपने-अपने क्षेत्र की यात्री सुविधा से संबंधित विभिन्न विषयों जैसे ट्रेनों के ठहराव, ट्रेनों के विस्तार, ट्रेनों के फेरे बढ़ाने, नई ट्रेन की सुविधा उपलब्ध कराने सहित अन्य मुद्दों पर बहुमूल्य सुझाव दिए गए। माननीय सदस्यों द्वारा सिंहस्थ के मद्देनजर किये जा रहे विभिन्न विकास कार्यों के अंतर्गत उज्जैन के साथ ही साथ देवास, इंदौर, नागदा, रतलाम, मंदसौर रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधा की मांग की गई। मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार द्वारा सभी सदस्यों को आश्वस्त किया गया कि उनके बहुमूल्य सुझावों पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा । समिति की बैठक के दौरान मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति के माननीय सदस्यों में राजदीप परवाल, विशाल गिडवानी, ब्रजेश खंडेलवाल, गोपाल शर्मा, कांतिलाल छाजेड़, तरुण व्यास, प्रदीप पुरोहित, शैलेष गर्ग, गोपाल कृष्ण सोडानी, दर्शन सिंह गांधी, हिमांशु दुबे, मंगलचंद जाखड़, अनिल उपाध्याय, राजेश शर्मा एवं क्षेत्रीय रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति के अजित सिंह नारंग, वरूण अग्रवाल एवं प्रतीक संचेती शामिल हुए। डीआरयूसीसी सदस्य अशोक खंडेलिया के प्रतिनिधि मनोज शर्मा शामिल हुए। बैठक में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(समन्वय) पीयूष पाण्डेय, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर ए.के जोशी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा माघी गणेशोत्सव विसर्जन समारोह हेतु उपलब्ध कराई गई सुविधाएँ

महानगरपालिका द्वारा निर्मित कृत्रिम विसर्जन कुंडों में श्री गणेश मूर्तियों के विसर्जन की अपील

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में माघी गणेशोत्सव बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। इस पृष्ठभूमि में, महानगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शनानुसार, पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी माघी गणेशोत्सव के दौरान गणेश मूर्तियों के विसर्जन हेतु प्राकृतिक एवं पारंपरिक 22 विसर्जन स्थलों के समीप कृत्रिम विसर्जन कुंडों का निर्माण किया गया है। नागरिकों से अपील की जाती है कि वे महानगरपालिका द्वारा निर्मित इन कृत्रिम विसर्जन कुंडों में ही मूर्तियों का विसर्जन करें।

अभियांत्रिकी विभाग की ओर से नगर अभियंता शिरीष आर्डवाड के नियंत्रण में 22 स्थानों पर कृत्रिम विसर्जन कुंडों का निर्माण किया गया है। इनका पर्यवेक्षण संबंधित विभागीय कार्यालयों के सहायक आयुक्त एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा किया जाएगा तथा दोनों परिमंडलों के उप आयुक्त श्री सोमनाथ पोत्रे एवं श्री संजय शिंदे द्वारा नियंत्रण रखा जाएगा।

इन विसर्जन स्थलों पर मूर्ति की पूजा एवं विदाई आरती के लिए मेज-कुर्सी की व्यवस्था, विद्युत तथा ध्वनि प्रणाली उपलब्ध कराई गई है। साथ ही, गीले एवं सूखे निर्माल्य को रखने के लिए

निर्माल्य कलश की व्यवस्था की गई है। निर्माल्य के परिवहन हेतु पृथक व्यवस्था भी रहेगी। विसर्जन स्थलों पर स्वयंसेवक तैनात रहेंगे तथा अग्निशमन कर्मी भी तैयार रहेंगे। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी सतर्क रहेंगी। नवी मुंबई महानगरपालिका ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की हैं कि माघी गणेशोत्सव का विसर्जन समारोह उत्साहपूर्वक एवं बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके। पर्यावरण संरक्षण के हित में माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, महानगरपालिका नागरिकों से अपील करती है कि माघी गणेशोत्सव के दौरान स्थापित प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों का विसर्जन निकटतम कृत्रिम विसर्जन कुंड में ही करें। साथ ही, पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण अपनाते हुए शाडू मिट्टी से बनी मूर्तियों का विसर्जन भी कृत्रिम विसर्जन कुंडों में करने की अपील की जाती है।

उत्राण स्टेशन पर मालगाड़ी से चोरी करने वालों के खिलाफ रेल सुरक्षा बल की सख्त कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

हाल ही में कुछ शरारती तत्वों द्वारा वडोदरा मंडल के उत्राण स्टेशन यार्ड में खड़ी मालगाड़ी के एक डिब्बे का सील तोड़कर उसमें लदी चावल की बोरियाँ चोरी करने का मामला सामने आया था। वडोदरा मंडल के रेल सुरक्षा बल ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दिनांक 14.01.2026 को कुछ शरारती तत्वों ने उत्राण स्टेशन यार्ड में खड़ी मालगाड़ी के डिब्बे का सील तोड़ दिया। इसकी सूचना स्टेशन के पॉइंट्समैन द्वारा स्टेशन मास्टर को दी गई। जांच के दौरान घटनास्थल से लगभग 20 फीट की दूरी पर झाड़ियों में 13 नग चावल की बोरियाँ पड़ी हुई मिलीं, जिनका कुल वजन लगभग 625 किलोग्राम था। इस प्रकार चोरी का पूरा मुद्देमाल बरामद कर लिया गया।

मामले में संलिप्त अपराधियों को पकड़ने के प्रयास में रेल सुरक्षा बल द्वारा आसपास की सोसाइटियों में लगे

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की सहायता ली गई। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से अपराधियों की पहचान की गई। अंकलेश्वर स्टेशन पर तैनात रेल सुरक्षा बल के निरीक्षक एवं अपराध शाखा की टीम द्वारा घटनास्थल तथा आसपास के क्षेत्रों में गुप्त निगरानी रखी गई।

दिनांक 18.01.2026 को कार्रवाई के दौरान सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिए अपराधियों में से एक आरोपी महेश, आयु 23 वर्ष, जो सूरत में मजदूरी करता है तथा गुजरात के सुरेंद्रनगर का निवासी है, को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर दिनांक 14.01.2026 को उतरायण के दिन रेलवे की मालगाड़ी का सील तोड़कर चावल से भरी बोरियों की चोरी कर उन्हें छिपाना स्वीकार किया।

इसके अतिरिक्त, एक अन्य आरोपी आकाश, आयु 22 वर्ष, निवासी सूरत, को मुखबिर की सूचना के आधार पर रेल सुरक्षा बल के कर्मचारियों द्वारा गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान उसने भी अपना अपराध स्वीकार कर लिया। मामले की आगे की जांच जारी है।

नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा विविध कार्यक्रमों के माध्यम से मराठी भाषा संरक्षण के प्रति जनजागृति

दिव्यांश

महाराष्ट्र शासन के मराठी भाषा विभाग द्वारा जारी परिपत्रक दिनांक 24 दिसंबर 2025 के अनुसार, 14 से 28 जनवरी 2026 के दौरान 'मराठी भाषा संवर्धन पखवाड़ा' मनाया जा रहा है। राज्य में महानगरपालिकाओं के चुनाव होने के कारण, इस पखवाड़े के द्वितीय सत्र में महानगरपालिकाओं द्वारा मराठी भाषा से संबंधित विविध गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

इसी क्रम में नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से मराठी भाषा की बोलियों से लेकर मानक भाषा तक की विविधता को दर्शाया जा रहा है। साथ ही, महानगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिकों में मराठी साहित्य के प्रति प्रेम और प्रतिभा को प्रोत्साहन देने हेतु मान्यवरों के व्याख्यानों के साथ-साथ प्रतियोगात्मक गतिविधियाँ भी आयोजित की गई हैं।

मराठी भाषा की तरह उसकी बोलियों में भी एक अलग ही मधुरता होती है। आगरी बोली की मधुरता को उजागर करने वाला लेखक श्री गजानन म्हात्रे का संवादात्मक कार्यक्रम 'आंग्रू दुंग्रू - आगरी भाषेचे सौंदर्य' इस वर्ष के मराठी भाषा संवर्धन पखवाड़े की उत्साहपूर्ण शुरुआत बना।

आगामी कार्यक्रमों में, शुक्रवार, 23 जनवरी को प्रातः 11 बजे, 'कार्यालयीन मराठी लेखन और नई पीढ़ी की मराठी' विषय पर महाराष्ट्र राज्य भाषा सलाहकार, शासन की लोकसत्ता पत्रिका के पूर्व संपादक, लेखक तथा सूचना व जनसंपर्क महासंचालनालय के सेवानिवृत्त संचालक श्री सुरेश वांदिले का व्याख्यान आयोजित किया गया है। पखवाड़े के सभी कार्यक्रम महानगरपालिका मुख्यालय की तीसरी मंज़िल पर स्थित ज्ञान केंद्र सभागार में आयोजित होंगे तथा सभी के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

मंगलवार, 27 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे, कोल्हापुर ज़िले से विद्यालयों और महाविद्यालयों में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने वाली अभिनव संकल्पना 'वाचनकट्टा' के प्रणेता श्री युवराज कदम द्वारा शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों और साहित्य प्रेमी नागरिकों के साथ 'वाचाल तर वाचाल' विषय पर प्रेरणादायी संवाद आयोजित किया जाएगा। इस माध्यम से विशेष रूप से नवी मुंबई के विद्यालयों और महाविद्यालयों में वाचन संस्कृति को बढ़ाने के प्रयासों को दिशा देने का प्रयास किया जाएगा।

बुधवार, 28 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे, ग़ज़ल सम्राट सुरेश भट की विरासत को संजोते हुए मराठी ग़ज़ल को समृद्ध करने वाले सुप्रसिद्ध ग़ज़ल गायक श्री अप्पा ठाकुर द्वारा प्रस्तुत मराठी ग़ज़लों का हृदयस्पर्शी कार्यक्रम 'गुंफलेले पाश' के साथ पखवाड़े का समापन होगा।

इसी दिन 28 जनवरी को अपराह्न 4 बजे, नवी मुंबई महानगरपालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 'मेरी प्रिय मराठी पुस्तक' विषय पर एक प्रतियोगिता आयोजित की गई है। पुस्तकों का वाचन व्यक्ति के व्यक्तित्व को गढ़ता और विकसित करता है। प्रतिभागियों से अपेक्षा की गई है कि वे पाँच मिनट की समयावधि में अपनी प्रिय मराठी पुस्तक पर विचार व्यक्त करें, जिससे श्रोताओं में उस पुस्तक को पढ़ने की जिज्ञासा उत्पन्न हो।

इसके पश्चात महानगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारी तथा साहित्य प्रेमी नागरिकों के लिए मराठी शब्दकोडे प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें लंबवत और आड़े खानों वाले मराठी शब्दकोडे दिए जाएँगे। सबसे तेज़ी से कोडे हल करने वाले प्रथम दस प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे तथा पुरस्कार वितरण प्रतियोगिता के तुरंत बाद किया जाएगा।

'मराठी भाषा संवर्धन पखवाड़ा 2026' के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारी एवं साहित्य प्रेमी नागरिक महानगरपालिका मुख्यालय की तीसरी मंज़िल पर स्थित सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में कार्यालयीन समय में 27 जनवरी 2026 तक अपने नाम पंजीकृत करा सकते हैं। इसके लिए संपर्क क्रमांक 9930020814 / 7021780813 दिए गए हैं।

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में मराठी भाषा संवर्धन पखवाड़े के अंतर्गत अभिनव कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। ज्ञान केंद्र, नवी मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क है। कार्यक्रमों के मुख्य समन्वयक, अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार की ओर से नवी मुंबई के सभी मराठी भाषा प्रेमी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इन कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर समृद्ध मराठी भाषा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करें।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर 03 जोड़ी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1) ट्रेन संख्या 09009/09010 बांद्रा टर्मिनस-भुज सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल (10 फेरे)

ट्रेन संख्या 09009 बांद्रा टर्मिनस-भुज स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:50 बजे भुज पहुँचेगी। यह ट्रेन 25 जनवरी से 22 फरवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09010 भुज-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक सोमवार को भुज से 14:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:10 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 जनवरी से 23 फरवरी, 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, ध्रांगध्रा, सामाख़्याली, भचाऊ तथा गांधीधाम स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे। 2) ट्रेन संख्या 09011/09012 बांद्रा टर्मिनस-भुज सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल (10 फेरे)

ट्रेन संख्या 09011 बांद्रा टर्मिनस-भुज स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को बांद्रा टर्मिनस से 23:55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:30 बजे भुज पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 जनवरी से 24 फरवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09012 भुज-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक बुधवार को भुज से 17:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 जनवरी से 25 फरवरी, 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, ध्रांगध्रा, सामाख़्याली, भचाऊ तथा गांधीधाम स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3) ट्रेन संख्या 09017/09018 बांद्रा टर्मिनस-वेरावल साप्ताहिक स्पेशल (10 फेरे)

ट्रेन संख्या 09017 बांद्रा टर्मिनस-वेरावल स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 14:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:05 बजे वेरावल पहुँचेगी। यह ट्रेन 25 जनवरी से 22 फरवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09018 वेरावल-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक सोमवार को वेरावल से 11:05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:55 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 जनवरी से 23 फरवरी, 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, सुरेन्द्रनगर, राजकोट, गोंडल, जेतलसर, जूनागढ़ तथा केशोद स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09009, 09010, 09011, 09012, 09017 एवं 09018 की बुकिंग 22 जनवरी, 2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनों का संचालन

ट्रेन नंबर	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तारीखें	प्रस्थान	आगमन
09009	बांद्रा टर्मिनस - भुज (सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल)	25.01.2026 to 22.02.2026	19:25 hrs (रविवार)	09:50 hrs (अगले दिन)
09010	भुज - बांद्रा टर्मिनस (सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल)	26.01.2026 to 23.02.2026	14:00 hrs (सोमवार)	05:10 hrs (अगले दिन)
	ठहराव (हॉल्ट): दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, ध्रांगध्रा, समाखियाली, भचाऊ एवं गांधीधाम स्टेशन। संरचना (कम्पोज़िशन): वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, स्लीपर श्रेणी एवं साधारण द्वितीय श्रेणी डिब्बे।			
09011	बांद्रा टर्मिनस - भुज (सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल)	27.01.2026 to 24.02.2026	23:55 hrs (मंगलवार)	14:30 hrs (अगले दिन)
09012	भुज - बांद्रा टर्मिनस (सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल)	28.01.2026 to 25.02.2026	17:40 hrs (बुधवार)	08:45 hrs (अगले दिन)
	ठहराव (हॉल्ट): दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, ध्रांगध्रा, समाखियाली, भचाऊ तथा गांधीधाम स्टेशन। संरचनाः वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, स्लीपर श्रेणी एवं साधारण द्वितीय श्रेणी डिब्बे।			
09017	बांद्रा टर्मिनस - वेरावल (साप्ताहिक स्पेशल)	25.01.2026 to 22.02.2026	14:40 hrs (रविवार)	08:05 hrs (अगले दिन)
09018	वेरावल - बांद्रा टर्मिनस (साप्ताहिक स्पेशल)	26.01.2026 to 23.02.2026	11:05 hrs (सोमवार)	04:55 hrs (अगले दिन)
	ठहराव (हॉल्ट): दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद, सुरेंद्रनगर, राजकोट, गोंडल, जेतलसर, जूनागढ़ तथा केशोद स्टेशन। संरचनाः वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, स्लीपर श्रेणी एवं साधारण द्वितीय श्रेणी डिब्बे।			

ट्रेन संख्या 02133/02134 बांद्रा टर्मिनस ⟷ जबलपुर साप्ताहिक विशेष ट्रेन को अगले आदेश तक विस्तारित किया गया है।

समय-सारिणी, ठहराव (हॉल्ट) तथा संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ।

ऊपर बताई गई सभी ट्रेनों और ट्रेन नंबर 02133 के एक्सटेंडेड ट्रिप के लिए बुकिंग 22.01.2026 से सभी PRS काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ये ट्रेनें स्पेशल किराए पर स्पेशल ट्रेनों के तौर पर चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram.com/WesternRly
Youtube Link: https://www.youtube.com/@WesternRly
WhatsApp Link: https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी रिज़र्व टिकटों के लिए ओरिजिनल आईडी प्रूफ साथ रखें।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभागः मुख्य अभियंता (मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल)
क्रमांक E.E.Mech.(S)/6363/M&E दिनांकः 21.01.2026

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त पात्र निविदादाताओं से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। निविदा आरंभ करने की तिथि एवं समय तथा निविदा समाप्ति की तिथि एवं समय का विवरण बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट के टेंडर अनुभाग एवं महाटेंडर पोर्टल पर उपलब्ध विस्तृत निविदा सूचना में दिया गया है।

क्र.सं.	बोली संख्या	कार्य का नाम
1.	2025_MCGM_1259808_1	राजावाड़ी अस्पताल में समय-समय पर और नियमित एसेट मैनेजमेंट तकनीकी सेवाओं को मजबूत करना।

इच्छुक टेंडर देने वाले टेंडर की ज़्यादा जानकारी के लिए BMC की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in और महाटेंडर पोर्टल की वेबसाइट http://mahatenders.gov.in पर जाएं।

पीआरओ/2732/विज्ञा./2025-26 — कार्यकारी इंजीनियर मैकेनिकल (दक्षिण)

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

पश्चिम रेलवे वडोदरा मंडल

डिजाइन, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग

निविदा सुचना संख्याः S&T/BRC/25-26/15/SIG तारीख: 19-01-2026 भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए सीनियर D S T E / वडोदरा निविदा संख्या SandT_BRC_25-26_15_SIG के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। बोली लगाने वाले अपनी ओरिजिनल/रिवाइज्ड बोलियां सिर्फ क्लोजिंग तारीख और समय तक ही जमा कर पाएंगे। इस टेंडर के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है, और ऐसा कोई भी मैनुअल ऑफर मिलने पर उसे नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **1. कार्य का नाम और उसका स्थानः** वडोदरा मंडल के "गुमानदेव. BG: नए गुड्स शेड में लोडिंग लाइनों का विकास" के काम के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव, MSDAC काम, BPAC काम, IPS काम आदि के इनडोर और आउटडोर कामों के साथ डिजाइन, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। **2. कार्य की अनुमानित लागतः** ₹ 4,20,52,213.60 **3. जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनीः** ₹ 3,60,300.00 **4. ई-निविदा जमा करने और ई-निविदा खोलने की तारीख और समयः** 10-02-2026 @ 15:00 बजे और 10-02-2026 @ 15:30 बजे **5. वेबसाइट की जानकारी और नोटिस की जगह जहां पूरी जानकारी देखी जा सकती है आदिः** सीनियर डिविजनल सिग्नल एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर, दूसरी मंजिल-एनेक्स बिल्डिंग, D R M ऑफिस, वेस्टर्न रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 http://www.ireps.gov.in

BRC 328

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रमुख नवनाथ बन का तीखा सवाल

संजय राउत ने कम से कम तेरह लोगों को भी रोजगार दिया है क्या?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दावोस। दावोस में महाराष्ट्र के लिए पंद्रह लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते हुए हैं। इन निवेशों से लगभग तेरह लाख लोगों को रोजगार मिलने वाला है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दावोस दौरे की आलोचना करने वाले संजय राउत ने आज तक कम से कम तेरह लोगों को भी रोजगार दिया है क्या, ऐसा तीखा सवाल भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन ने बुधवार को उठाया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में श्री बन बोल रहे थे। उद्धव ठाकरे ने ढाई साल मुख्यमंत्री रहते हुए कम से कम तेरह सौ लोगों को भी रोजगार दिया था क्या, इसका जवाब भी संजय राउत दें, ऐसा श्री बन ने कहा।

श्री बन ने कहा कि भारत में सर्वाधिक विदेशी निवेश लाने का काम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावोस दौरे के

दौरान किया है। विदेशी निवेश लाने के लिए कौशल की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री फडणवीस के दावोस दौरे की आलोचना करने वाले संजय राउत को आदित्य ठाकरे से यह पूछने का साहस दिखाना चाहिए कि वे दावोस दौरे से कितना निवेश लेकर आए। दावोस दौरे में महाराष्ट्र के लिए हुए निवेश समझौतों से राज्य में जो रोजगार सृजित होगा, उससे संजय राउत को खुशी होनी चाहिए थी। लेकिन खुशी के बजाय उन्होंने जलन दिखाई है। यदि संजय राउत को दावोस दौरे का इतना विरोध है, तो आदित्य ठाकरे दावोस क्यों गए थे, इसका जवाब भी उन्हें देना चाहिए, ऐसा बन ने कहा।

महाराष्ट्र को सुशासन देने का काम देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे ने किया है। इसी कारण विदेशी निवेशकों की सबसे अधिक पसंद महाराष्ट्र को मिल रही है। देवेंद्र फडणवीस के कर्तृत्व से 'देवाभाऊ' का देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में विश्वसनीयता का एक ब्रांड तैयार हुआ है, और इसी वजह से संजय राउत को पेट दर्द हो रहा है, ऐसी तीखी टिप्पणी भी श्री बन ने की।

श्री बन ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है, इसलिए नितीन नबीन जैसे सामान्य कार्यकर्ता को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद तक पहुंचने का अवसर मिलता है। जबकि उबाठा गुट में केवल ठाकरे परिवार के सदस्यों को ही अवसर मिलता है।

संजय राउत ने राज्यसभा चुनाव में पार्टी के किसी सामान्य कार्यकर्ता को अवसर देने के बजाय खुद का नाम आगे कर दिया।

राहुल शेवाळे को सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए

वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद राहुल शेवाळे को सार्वजनिक रूप से भाजपा कार्यकर्ताओं पर आरोप-प्रत्यारोप करने से बचना चाहिए। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के कई उम्मीदवार 100 से 300 जैसे कम मतों से पराजित हुए हैं, लेकिन इन उम्मीदवारों ने शिवसेना के कार्यकर्ताओं पर आरोप नहीं लगाए। महायुति में सभी दलों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे की मदद की, इसलिए महायुति को अच्छा परिणाम मिला है। अतः राहुल शेवाळे सहित सभी को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए जिससे गठबंधन में मतभेद पैदा हों, ऐसा श्री बन ने कहा।

मत्स्य विभाग को आय के नए स्रोतों से आत्मनिर्भर बनना चाहिए- मंत्री नितेश राणे

महाराष्ट्र समुद्री मंडल की बैठक में स्वीकृत विषयों की समीक्षा

मुंबई। विभाग को आय के नए स्रोत तलाश कर अपनी आमदनी बढ़ानी चाहिए। आय वृद्धि के लिए जो उपाय तय किए गए हैं, उन्हें बिना विलंब लागू किया जाए। मत्स्य एवं बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने मंत्रालय में आयोजित बैठक में इन स्रोतों से आय बढ़ाकर विभाग को आत्मनिर्भर बनाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मंत्री राणे ने महाराष्ट्र समुद्री मंडल के संचालक मंडल की 85वीं बैठक में स्वीकृत विषयों, भूमि प्रबंधन तथा जल उपयोग नीति की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में महाराष्ट्र समुद्री मंडल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी. प्रदीप, मुख्य प्रशासकीय अधिकारी प्रदीप बडिये, विधि एवं न्याय विभाग के उपसचिव सखरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मत्स्य मंत्री नितेश राणे ने कहा कि मत्स्य एवं बंदरगाह विभाग को आय वृद्धि के लिए चुने गए विकल्पों पर कार्य कर सरकारी निधियों पर निर्भरता कम करनी चाहिए। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएँ। आय वृद्धि के साथ-साथ विभाग को राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए। यदि विभाग की अपनी आय का स्रोत विकसित होता है, तो विकास कार्य अधिक प्रभावी और सक्रिय रूप से किए जा सकेंगे। महाराष्ट्र तट के लिए विज्ञापन नीति तथा तटवर्ती छोटे बंदरगाहों की सीमा में पट्टे पर दिए जाने वाले स्टॉलों से संबंधित अधिसूचना का प्रकाशन शीघ्र पूरा किया जाए।

तटीय भूमि प्रबंधन और जल संसाधनों के उपयोग के संबंध में निवेशकों को आकर्षित करने वाली एक समग्र नीति तैयार की जानी चाहिए। इसके लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित पोर्टल विकसित किया जाए। अन्य तटीय राज्यों की नीतियों और नियमों का अध्ययन कर निवेश के लिए सरल और अनुकूल नीति बनाई जाए, जिससे रोजगार सृजन होगा। मत्स्य मंत्री नितेश राणे ने यह भी निर्देश दिए कि पहले नीति बनाई जाए और उसके बाद आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए नीति लाई जाए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

महापारेषण और वी.जे.टी.आई. के बीच एमओयू, पावर ट्रांसमिशन में अनुसंधान और नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

मुंबईः महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी लिमिटेड (महापारेषण) और वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, मुंबई के बीच पावर ट्रांसमिशन क्षेत्र में उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौता ज्ञापन पर वी.जे.टी.आई. के निदेशक डॉ. सचिन कोरे तथा महापारेषण के मुख्य अभियंता (एसटीयू) श्री पीयूष शर्मा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार, निदेशक (परिचालन) श्री सतीश चव्हाण, निदेशक (परियोजना) श्री अविनाश निम्बालकर, निदेशक (वित्त) श्रीमती तृप्ति मुधोलकर, कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) श्रीमती सुचिता भिकाणे, महापारेषण के वरिष्ठ अधिकारी तथा वी.जे.टी.आई. का प्रतिनिधिमंडल उपस्थित रहा। वी.जे.टी.आई. की ओर से उपनिदेशक डॉ. आर. एन. अवाले, डीन (अनुसंधान एवं परामर्श) डॉ. फारूक काज़ी सहित वरिष्ठ प्राध्यापक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस समझौते के अंतर्गत तकनीकी परामर्श, पावर सिस्टम अध्ययन, नवीकरणीय ऊर्जा का एकीकरण, फैक्ट्स उपकरणों का उपयोग, महापारेषण के लिए डिजिटल ट्विन अनुप्रयोग, स्मार्ट ग्रिड, डिजिटलीकरण तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्य किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, यह सहयोग अनुसंधान और व्यवहारिक कार्यान्वयन के बीच की दूरी को कम करेगा तथा क्षमता निर्माण और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा। यह पहल महाराष्ट्र में एक सुदृढ़, दक्ष और भविष्य के अनुरूप विद्युत पारेषण नेटवर्क के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

महापत्तन न्यायनिर्णायिक बोर्ड, मुंबई को मिला प्रतिष्ठित क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आयोजित 'संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह' में महापत्तन न्यायनिर्णायिक बोर्ड (पूर्ववर्ती में महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण), मुंबई को वर्ष 2024-25 के संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार, पश्चिम क्षेत्र, कार्यालय की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान महापत्तन न्यायनिर्णायिक बोर्ड की राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं उसके सतत् संवर्द्धन के प्रति समर्पित प्रयासों और उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति का प्रमाण है।

यह राजभाषा पुरस्कार, 20 जनवरी 2026 को इंदौर में आयोजित पश्चिम क्षेत्र के लिए संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में प्रदान किया गया। इसमें पुरस्कार स्वरूप शील्ड तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

समारोह में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री, बंदी संजय कुमार के करकमलों द्वारा अनुराधा हरिहर शर्मा, निदेशक, को शील्ड तथा शंकर लालवानी, लोकसभा सांसद, इंदौर, मध्य प्रदेश से रणधीर कुमार, प्रशासनिक अधिकारी व प्रभारी राजभाषा को राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इस क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री बंदी संजय कुमार के साथ शंकर लालवानी, इंदौर, मध्य प्रदेश से लोकसभा सांसद, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रो. राकेश सिंघई तथा केन्द्रीय गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की सचिव, अंशुली आर्या भी उपस्थित थीं।

अहिल्यानगर का 'गुरुद्वारा भाई दया सिंहजी' सिख इतिहास के महत्वपूर्ण अध्याय 'ज़फ़रनामा' का साक्षी!

अहिल्यानगर। नांदेड़ में 'हिंद दी चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत शताब्दी समारोह की तैयारियाँ जोरों पर हैं। इसी पृष्ठभूमि में सिख इतिहास के एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रसंग को रेखांकित करना प्रासंगिक है, जिसने अहिल्यानगर नगर को गौरव प्रदान किया है और महाराष्ट्र की ऐतिहासिक विरासत में अमूल्य योगदान जोड़ा है। गोविंदपुरा स्थित 'गुरुद्वारा भाई दया सिंहजी' को सिख इतिहास की निर्णायक घटना 'ज़फ़रनामा' का प्रत्यक्ष साक्षी माना जाता है।

इतिहास के पन्नों में अंकित यह महत्वपूर्ण घटना अठारहवीं शताब्दी के आरंभ (1705-06) की है। सिख धर्म के दसवें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने तत्कालीन मुगल सम्राट औरंगज़ेब को एक अत्यंत महत्वपूर्ण पत्र लिखा, जिसे इतिहास में 'ज़फ़रनामा' (विजय-पत्र) के नाम से जाना जाता है। गुरु गोबिंद सिंह जी ने इस ऐतिहासिक और जोखिमपूर्ण पत्र को औरंगज़ेब तक पहुँचाने का दायित्व 'पंच प्यारे' में से एक भाई दया सिंहजी को सौंपा।

यह ऐतिहासिक प्रसंग सीधे तौर पर अहिल्यानगर नगर से जुड़ा है। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के निर्देश पर भाई दया सिंहजी 'ज़फ़रनामा' लेकर औरंगज़ेब से मिलने के लिए निकले। तीन से चार माह के सतत प्रयासों के बाद अंततः उन्होंने अहिल्यानगर में खुले दरबार में औरंगज़ेब से भेंट की और उसे 'ज़फ़रनामा' सौंपा। उस समय औरंगज़ेब भिंगार क्षेत्र में डेरा डाले हुए था। भाई दया सिंहजी वर्तमान गोविंदपुरा क्षेत्र (अहिल्यानगर) में ठहरे, जो उस शिविर की सीमा से बाहर था, और वहीं से उन्होंने सम्राट से भेंट कर पत्र प्रस्तुत किया।

इस पवित्र भूमि पर, जहाँ भाई दया सिंहजी के चरण पड़े, अहिल्यानगर की सिख संगत ने श्रद्धा और अपने संसाधनों से एक धार्मिक स्थल का विकास किया। आज यह स्थान 'गुरुद्वारा भाई दया सिंहजी साहिब, गोविंदपुरा, अहिल्यानगर' के नाम से जाना जाता है।

गुरु गोबिंद सिंह जी ने यह पत्र मूल फ़ारसी भाषा में लिखा था, जिसमें कुल 111 कड़ियाँ (श्लोक) हैं। 'ज़फ़रनामा' केवल एक पत्र नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध नैतिक उद्घोष है। इसमें गुरु जी ने चमकौर के युद्ध, अपने पुत्रों के बलिदान तथा औरंगज़ेब की सेना द्वारा पवित्र कुरआन के उल्लंघन की कठोर आलोचना की है। सिख इतिहास की यह प्रसिद्ध पंक्ति इसी पत्र में आती है–

'कुन कर अज़ हमेह हीलते दर गुज़श्त,
हलाल अस्त बुर्दन ब-शमशीर दस्त
।। 22 ।।'

अर्थात–

'जब अन्याय के विरुद्ध सभी प्रयास कर लिए जाएँ और न्याय का मार्ग अवरुद्ध हो जाए, तब तलवार उठाना ही उचित और धर्मसंगत मार्ग है।'

रोचक तथ्य यह है कि जब भाई दया सिंहजी ने यह पत्र प्रस्तुत किया, तो औरंगज़ेब ने इसे सकारात्मक रूप से स्वीकार किया और गुरु जी को सम्मानपूर्वक भेंट के लिए आमंत्रित करते हुए शाही पत्र जारी किया। इतिहास इसकी साक्षी देता है।

भाई दया सिंहजी के चरण-स्पर्श से पावन यह भूमि सिख समाज के लिए अत्यंत पवित्र है और एक ऐतिहासिक युग की साक्षी है। यह स्थान केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास के एक महत्वपूर्ण कालखंड और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की सर्वोच्च नैतिकता का प्रतीक भी है। यह अमूल्य ऐतिहासिक विरासत निश्चय ही आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।

राज के.पुरोहित की शोक सभा बिरला मातोश्री में सिक्किम के राज्यपाल माथुर समेत देशभर से कई वरिष्ठ नेता होंगे शामिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता स्वर्गीय श्री राज के.पुरोहित की स्मृति में आयोजित शोक सभा को लेकर मुंबई सहित देशभर में शोक और श्रद्धांजलि का वातावरण बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज गुरुवार 22 जनवरी को मुंबई के न्यू मरीन लाइंस स्थित बिरला मातोश्री सभागृह में आयोजित की जा रही इस शोक सभा में सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर समेत देश के विभिन्न हिस्सों से कई वरिष्ठ राजनीतिक नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, उद्योगपति,प्रवासी राजस्थानी समाज के प्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।

राज के.पुरोहित के आकस्मिक निधन से न केवल महाराष्ट्र की राजनीति, बल्कि प्रवासी राजस्थानी समाज में भी गहरा शोक व्याप्त है। वे ऐसे नेता के रूप में पहचाने जाते थे, जिनकी राजनीतिक भूमिका के साथ-साथ सामाजिक स्वीकार्यता भी अत्यंत व्यापक रही। यही कारण है कि उनकी शोक सभा में पार्टी-सीमाओं से ऊपर उठकर विभिन्न विचारधाराओं से जुड़े नेता और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होने की सहमति जता रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, शोक सभा में महाराष्ट्र सहित दिल्ली, राजस्थान, गुजरात और देश के अन्य राज्यों से आए वरिष्ठ नेता अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे और स्वर्गीय राज के पुरोहित के सार्वजनिक जीवन, सामाजिक योगदान तथा उनके व्यक्तित्व पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। प्रवासी राजस्थानी समाज के लिए यह शोक सभा एक सामूहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम के रूप में देखी जा रही है, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी अपेक्षित है।

गौरतलब है कि स्वर्गीय राज के. पुरोहित का निधन 18 जनवरी 2026 को हुआ था। वे महाराष्ट्र सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री, मुंबई भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और लंबे समय तक विधानसभा में पार्टी के प्रमुख रणनीतिक चेहरों में शामिल रहे। उनके निधन को राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में एक अपूरणीय क्षति के रूप में देखा जा रहा है।

शोक सभा गुरुवार को शाम 4 बजे से 6 बजे तक बिरला मातोश्री सभागृह, बॉम्बे हॉस्पिटल के पास, न्यू मरीन लाइंस, मुंबई में आयोजित की जाएगी, जहां शोकाकुल परिवार के साथ-साथ हजारों की संख्या में शुभचिंतक उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

अतुल शाह
माजी आमदार, माजी नगरसेवक,
प्रवक्ता भाजपा महाराष्ट्र

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

मुंबई। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन सम्मेलन (आईआईसीडीईएम) का आयोजन नई दिल्ली में किया जा रहा है। यह सम्मेलन जनवरी 23 से प्रारंभ हो रहा है। इस सम्मेलन में विश्वभर से अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग लेने के लिए पहुँचे हैं तथा 32 देशों से 71 प्रतिनिधि नई दिल्ली आए हैं।

यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 21 से 23 जनवरी 2026 के दौरान भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन की शुरुआत प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के औपचारिक स्वागत के साथ होगी, जिसका नेतृत्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार करेंगे। इस अवसर पर निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू तथा डॉ. विवेक जोशी भी उपस्थित रहेंगे।

इस सम्मेलन में 70 से अधिक देशों के 100 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि, भारत में स्थित विदेशी मिशनों के प्रतिनिधि, साथ ही निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षाविद् एवं कार्यरत विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के दौरान लोकतंत्र, निर्वाचन प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय निर्वाचन मानक, तथा निर्वाचन प्रक्रिया में नवाचार और सर्वोत्तम प्रथाओं पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन में उद्घाटन सत्र, निर्वाचन प्रबंधन निकाय नेतृत्व पूर्ण सत्र, कार्य समूह बैठकें तथा विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे।

मुंबई में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर 23 जनवरी को सुनवाई होगी : उच्च न्यायालय

मुंबई । मुंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह महानगर में "मध्यम" स्तर की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) से संतुष्ट नहीं है और कहा कि वह वायु प्रदूषण के मुद्दे पर 23 जनवरी को विचार करेगा।

अदालत ने तीन साल पहले देश की वित्तीय राजधानी में बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्वतः संज्ञान लिया था और समय-समय पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) से इस समस्या से निपटने के लिए उपाय करने को कहा है।

मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ ने शहर में वर्तमान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के बारे में जानकारी मांगी। बीएमसी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एस यू कामदार ने बताया कि एक्यूआई 100 से 140 के बीच मध्यम स्तर का है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के

आंकड़ों से स्पष्ट रूप से असंतुष्ट होते हुए अदालत ने टिप्पणी की, "हम मध्यम स्तर से संतुष्ट नहीं हैं।" कामदार ने दलील दी कि बीएमसी ने वायु प्रदूषण की स्थिति को सुधारने के लिए कदम उठाए हैं और एक हलफनामा प्रस्तुत किया। अदालत ने कहा कि वह शुक्रवार को इस मुद्दे पर विचार करेगी।

सड़क हादसे में मृत युवक के माता-पिता को मिलेगा 23.45 लाख रुपये का मुआवजा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ठाणे स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2021 में तेज रफ्तार ट्रक से हुई सड़क दुर्घटना में मारे गए 18-वर्षीय एक 'सेल्समैन' के माता-पिता को 23.45 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

एमएसीटी की अध्यक्ष सदस्य रूपाली वी. मोहिते ने मंगलवार को अपने आदेश में कहा कि ट्रक चालक के पास दुर्घटना को टालने का अंतिम अवसर था, लेकिन वह वाहन की गति नियंत्रित नहीं कर सका, जिसके कारण टक्कर हुई। उन्होंने कहा कि टक्कर के बाद चालक मौके से फरार हो गया था।

न्यायाधिकरण ने पाया कि हादसे के समय ट्रक चालक के पास वैध परिवहन लाइसेंस नहीं था, जो बीमा शर्तों का "जानबूझकर उल्लंघन" है। इसके

मद्देनजर न्यायाधिकरण ने बीमा कंपनी को पहले दावेदारों को मुआवजे की राशि का भुगतान करने और बाद में इसे वाहन मालिक से वसूलने का निर्देश दिया।

जानकारी के अनुसार, 17 अगस्त 2021 को करण भीमा जाधव मोटरसाइकिल से ठाणे जिले के शिलफाटा की ओर जा रहे थे, तभी मुंब्रा बाईपास मार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी दोपहिया गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल जाधव को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें भर्ती किए जाने से पहले ही मृत घोषित कर दिया गया।

मुंब्रा पुलिस ने इस संबंध में ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया था।

दावेदारों ने न्यायाधिकरण को बताया कि जाधव एक कंपनी में सेल्समैन के रूप में काम करता था और उसकी मासिक आय 20,000 रुपये थी।

हालांकि, दस्तावेजी साक्ष्यों के अभाव में एमएसीटी ने उसकी आय 15,000 रुपये प्रतिमाह मानकर मुआवजे की गणना की। न्यायाधिकरण ने कहा, "दुर्घटना के लिए जिम्मेदार चालक के पास अंतिम अवसर था जिससे हादसे को टाला जा सकता था।"

एमएसीटी ने कहा कि चालक गति पर नियंत्रण नहीं रख सका और मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी, जो यह दर्शाता है कि वाहन को लापरवाही और तेज रफ्तार में चलाया जा रहा था।

एमएसीटी ने आदेश दिया कि मुआवजे की राशि याचिका दायर करने की तारीख से नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ दी जाए। कुल 23.45 लाख रुपये में से 10 लाख रुपये मृतक के पिता और 13.45 लाख रुपये माता को दिए जाएंगे, जिसमें से एक हिस्सा तीन साल के लिए सावधि जमा में रखा जाएगा।

सम्पादकीय

वोटर लिस्ट सुधार या भरोसे की परीक्षा? एसआइआर के बीच सुप्रीम कोर्ट की एंट्री

निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के संदर्भ में एक सबसे अहम अपेक्षा यह रही है कि इसे पूरी तरह पारदर्शी होना चाहिए। कई तरह के विवादों के बीच विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई एक प्रमुख मांग भी यही है। इस मसले पर निर्वाचन आयोग की यही दलील रही है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य अपात्र लोगों को बाहर करना है। इसमें स्थान बदलने वाले लोगों से लेकर वैसे लोग भी शामिल होंगे, जिनकी मौत हो चुकी है।

इस घोषित मकसद से किसी को आपत्ति नहीं होगी, लेकिन अलग-अलग राज्यों में मतदाता सूची से जितनी बड़ी तादाद में लोगों के नाम बाहर होने की खबरें आईं हैं, उसे लेकर कई सवाल उठे हैं। इसकी जड़ में मुख्य कारण इस समूची प्रक्रिया में अपेक्षित पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं किया जाना हो सकता है और इसीलिए आम नागरिकों के बीच तमाम आशंकाएं उभरीं। अगर एसआइआर की प्रक्रिया को शुरू से आखिर तक पूरी तरह पारदर्शी बनाने की व्यवस्था की जाती, तो संभवतः अनावश्यक विवाद नहीं खड़े होते।

अब सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस समूची कवायद में तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में रखे गए मतदाताओं का सत्यापन पूरी तरह पारदर्शी ढंग से हो और इससे लोगों को अनावश्यक तनाव तथा असुविधा न हो। गौरतलब है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान ऐसी तमाम शिकायतें सामने आईं कि मनमाने तरीके से नागरिकों के नाम बाहर किए गए। कई जगहों पर लोगों को समय पर इसकी जानकारी भी नहीं हुई और उनका नाम मतदाता सूची से हट गया। जाहिर है, निर्वाचन आयोग की ओर से यह प्रक्रिया जिस स्तर पर चलाई गई, उसमें मतदाता सूची से बाहर होने वाले लोगों को सूचित करने और उन्हें अवसर देने को लेकर सवाल उठे।

पश्चिम बंगाल में भी चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नाम, उपनाम, आयु में गड़बड़ी आदि की वजह से करीब एक करोड़ पच्चीस लाख मतदाताओं को तार्किक विसंगति नोटिस जारी किया था। इस संदर्भ में शीर्ष अदालत ने आयोग को निर्देश दिया कि वह किसी भी तरह की गड़बड़ी वाली मतदाता सूची को ग्राम पंचायत भवन, प्रखंड कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक तौर पर लगाए, ताकि लोगों को पता चल सके।

सवाल है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को पूरी तरह पारदर्शी बनाने का जो काम निर्वाचन आयोग को अपनी प्रक्रिया में प्राथमिक स्तर पर खुद ही अनिवार्य रूप से शामिल करना चाहिए था, उसके बारे में सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देने की जरूरत क्यों पड़ रही है। तार्किक विसंगति के दायरे में आए सभी नामों को सार्वजनिक करने के अलावा मतदाता सूची में नाम होने के लिए जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल करने को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था।

सच यह है कि बिहार सहित देश के जिन राज्यों में मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया संचालित की गई, वहां सबसे अहम सवाल पारदर्शिता को लेकर ही उठे। इससे किसी को भी असहमति नहीं होगी कि चुनाव प्रक्रिया में कोई भी अवैध रूप से हिस्सा न ले और सिर्फ पात्र लोगों को ही मतदान का अधिकार मिले। मगर यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि सभी पात्र लोगों को खुद को सही साबित करने के लिए जरूरी अवसर और सुविधा मिले, ताकि वह मतदान के लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न हो।

अरावली श्रृंखला और पर्यावरणीय संकट को लेकर सरकार की उदासीनता और जन आंदोलनों का प्रभाव

दुनिया भर की सरकारें और पर्यावरण और शांति के लिए काम कर रही सरकारी संस्थाएं भी आज ग्लोबल वार्मिंग को एक बड़ी समस्या मानते हुए तरह-तरह के संगठनों का निर्माण कर तो रही हैं लेकिन कॉर्पोरेट के साथ मिलकर उतनी ही तेजी से प्रकृति का दोहन भी कर रही हैं। जिस तरह दुनिया में प्राकृतिक खनिजों पर कब्जा करने की होड़ मची हुई है, ऐसे में पता चलता है कि अभी और तेजी से प्रकृति को नष्ट किया जा सकता है।

हाल ही में आयी एक रिपोर्ट से पता चलता है कि दुनिया का सबसे भू भाग में बर्फ से घिरा ध्रुवीय क्षेत्र अंटार्कटिका में विगत वर्षों तापमान औसतन 2इ बढ़ा है। जो पृथ्वी पर तापमान संतुलित बनाए रखने के लिए मददगार रहा है मगर आज भी इस पर्यावरण स्थिरता बनाए रखने के लिए आज भी इस दिशा में कुछ खास निर्णय नहीं लिए जा रहे हैं और न ही कोई इसके दोहन पर रोक लगाया जा रहा है।

जल, जंगल, जमीन के दोहन के खिलाफ और उसे बचाने की लड़ाई आज भारत के लगभग हर प्रदेश में लड़ी जा रही है। इसके पहले भी भारत में पर्यावरण को बचाने के लिए बड़े जन आंदोलन हुए हैं 17वीं शताब्दी में विश्नोई आंदोलन से लेकर चिपको आंदोलन , झारखंड का जल जंगल बचाओ आंदोलन, कर्नाटक के जंगलों को बचाने को लेकर आपिको आंदोलन हुए हैं और भी तमाम जन आंदोलन पर्यावरण दोहन के खिलाफ लड़े. इन आंदोलनों के समक्ष सरकार को अपने निर्णय से हटना भी पड़ा है. लेकिन आज भी ये दोहन जारी है। जो साक्षात अरावली में देखने को मिल रहा है।

साल 2025 में पर्यावरण को लेकर भारत में दो बड़े आंदोलन हुए पहला हैदराबाद के गच्चीबाउली में स्थित हैदराबाद विश्वविद्यालय के कैम्पस के क्षेत्र का जैव विविधता से भरे जंगल को बचाने के लिए आंदोलन, दूसरा अरावली को बचाने के लिए जन आंदोलन जिसका प्रभाव देशव्यापी रहा और जिससे दो बातें निकल कर आती हैं- पहला

सरकारी तंत्र पर्यावरण के गहराते संकट को लेकर कितना उदासीन हो चुका है।. दूसरा, विकास का नया पर्याय पर्यावरणीय विखंडनष्ठ

दिल्ली की प्रदूषित हवा को देखते हुए अरावली में हो रही माइनिंग और यह पर्यावरणीय विनाश मानव जीवन के लिए कितना भयावह है इसकी परवाह किसी सरकार या सरकारी संस्था को नहीं है। ज्ञातव्य हो कि दिल्ली विश्व का चौथा सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल है. फिलहाल अभी दिल्ली ें के नागरिकों को जहरीली हवा व प्रदूषण से किसी तरह की राहत मिलने की उम्मीद दूर- दूर तक नहीं दिखाई देती है।

स्वतंत्रत पत्रकारों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, पर्यावरणविद की ओर से हॉल में ऐसी रिपोर्ट आई हैं कि लोगों के स्वास्थ्य पर खतरनाक असर हो रहा है जिसमें तात्कालिक तौर पर दिल का दौरा और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ा है, साथ ही गर्भवती महिलाओं और गंभीर तौर पर बीमार लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है।

कुछ ऐसी रिपोर्टें भी हैं कि विगत एक वर्ष में जहरीली हवा और प्रदूषण के चलते एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है लेकिन अभी भी न तो जहरीली हवा और प्रदूषण की गंभीर समस्या को रोकने के लिए किसी तरह के प्रभावी कदम उठाए गए और न ही इससे प्रभावित लोगों की जान माल की रक्षा के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए ठोस रूप से कुछ किया गया जबकि स्थिति इतनी चिंताजनक है कि एम्स सहित कई चिकित्सा विशेषज्ञों ने प्रदूषण को स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने की मांग की है।

इन विशेषज्ञों के संयुक बयान में प्रदूषण को साइलेंट किलर की संज्ञा दी गई है। जानकारी के लिए बता दें कि एयर क्वालिट इंडेक्स 50 आदर्श स्थिति है लेकिन दिल्ली में कभी हवा की गुणवत्ता 800 या इसके पार भी रहती है जोकि मानव जीवन के लिए बहुत ही हानिकारक है।

जैसा की हमें ज्ञात है, अरावली भारत की सबसे पुरानी श्रृंखलाओं में से एक है और पिछले ही महीने सुप्रीम कोर्ट ने अरावली को एक नई परिभाषा के तहत चिन्हित किया जिसमें बताया गया कि 100 से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली के अंतर्गत माना जाएगा।

अरावली राजस्थान, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा समेत इन राज्यों के 37 जिले में फैला है जो राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है. जोकि उत्तर भारत के मैदानी भू -भाग को थार से आने वाली रेगिस्तानी हवाओं से बचाता है. जिससे यह भूभाग आज भी भारत में सबसे ज्यादा उत्पादित क्षेत्र में बना है।

इस पर्वत माला पर तरह - तरह के प्राकृतिक खनिजों की भरमार है जिससे यहां खनन भी ज्यादा होता है और इससे यहां के वनों की कटाई की प्रक्रिया लगातार जारी रहती है जिससे बाढ़, भूस्खलन आदि तमाम प्राकृतिक आपदाएं आने की संभावना बढ़ती है. माइनिंग से उठने वाली धूल का प्रभाव आस पास के क्षेत्रों में लोगों और फसलों पर भी पड़ता है जिससे कई तरह की स्वास्थ्य संबंधित बीमारियां पैदा होती हैं।

हालंकि पर्यावरण मंत्रालय ने अपना तर्क देते हुए बताया कि यह नईं परिभाषा इसलिए ताकि अरावली में हो रही अवैध माइनिंग को रोका जा सके लेकिन ज्ञात है कि पिछले कुछ सालों में अरावली की पहाड़ियों माइनिंग को और ज्यादा बढ़ावा दिया गया. जिससे उठने वाली धूल का प्रभाव आस पास के क्षेत्रों में पड़ता है।

हाल ही में आयी एक रिपोर्ट बताती है कि 1990 से लेकर 2020 तक 4.2 हेक्टेयर वनों का विनाश हुआ जो या तो अन्य उपयोग के लिए लाया गया या ऐसे ही छोड़ दिया गया। जिसमें भारत में हुए कुल वनों का नुकसान 3, 84000 हेक्टेयर है, जो पूरे विश्व में ब्राजील के बाद दूसरे नंबर पर सबसे बड़ी संख्या में कटाई करने वाला देश बना। ऐसे यह पता चलता है कि अरावली का संरक्षण होना कितना आवश्यक हो जाता है खासकर जब दिल्ली, जैसे बड़े शहरों की हवा दिन ब दिन बदतर होती जा रही है।

किसी भी बड़े परिवर्तन चाहे वह सामाजिक हो या राजनीतिक - में जन आंदोलनों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है जिसने सत्ता को बड़े से बड़े फैसलों पर झुकने को मजबूर किया है इसका एक बड़ा उदाहरण 2020 का किसान आंदोलन या हैदराबाद के कांचा गच्ची बावली के जंगलों को बचाने के लिए जो एक जुटता लोगों ने दिखाई थी और उसे पूरे विश्व में जिस तरह एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनाया उसपे कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए उस जंगल को संरक्षित करने का फैसला दिया, जोकि आज के बढ़ते निर्वनीकरण के समय में एक बुद्धिमता पूर्ण और जनहित के लिए उचित था. हैदराबाद विश्वविद्यालय का छात्र होते हुए मैं स्वयं लोगों को इस जंगल को बचाने के लिए भारी संख्या में एक जुट होते हुए देखा था जो संघर्ष पूरे महीने भर चला और अंततः न्याय जनहित को ध्यान रखते हुए दिया गया।

दिसंबर 2025 में आए अरावली की नई परिभाषा को लेकर कोर्ट के इस फैसले से नाराज लोगों ने अरावली को बचाने को लेकर एक बड़ा जन आन्दोलन छेड़ा जिसका व्यापक प्रभाव सोशल मीडिया पर भी दिखा, जिसमें लोगों ने अरावली की रक्षा के लिए एक साथ दिखे और अंततः कोर्ट ने अपना फैसला वापस लिया। हम देखते हैं कि आज के समय में जब जल, जंगल और जमीन को बचाने की लड़ाई के लिए तमाम आदिवासी और हाशिए के समुदाय के लोग अपने हिसाब से लड़ाई लड़ रहे हैं ऐसे में एकजुटता और एक व्यापक जन आंदोलन का प्रभाव दिखता है जो कोर्ट के फैसले को बदलने के लिए मजबूर कर देता है, और जंगलों को बचाने के लिए तत्पर दिखता है।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि इन तीनों आंदोलनों (किसान आंदोलन, हैदराबाद के लैंड ग्रैब मूवमेंट या अरावली बचाओ आंदोलन) में एक समानता देखने को मिलती है कि ये आंदोलन सरकार द्वारा कॉर्पोरेट को सौंपे जा रहे इस पर्यावरण के मिटते अस्तित्व के खिलाफ खड़े हुए। विकास के नाम पर कॉर्पोरेट द्वारा हो रहे पारिस्थितिकी तंत्र के दोहन के खिलाफ एकजुटता हुई। इन जन आंदोलनों से वर्तमान समय की जनचेतना का पता चलता है जिसमें जनता न केवल इन कॉर्पोरेट के लिए वैल्यू बनाने वाली मशीनरी बनना चाहती है बल्कि अपना हित इन्हीं जल, जंगल और जमीनों में देख पा रही है।

करियर हो या व्यक्तित्व, बदलाव अपनाने वाले ही बनते हैं आत्मविश्वासी और सफल, आगे बढ़ना है तो ठहरना नहीं

परिवर्तन को अपनाना व्यक्तित्व के विकास में अत्यंत महत्त्वपूर्ण माना जाता है। मनुष्य का जीवन गतिशील है और यह समय, परिस्थिति, अनुभव और परिवेश के साथ लगातार बदलता रहता है। जो व्यक्ति इस स्वाभाविक प्रक्रिया को समझकर उसे अपनाता है, वही निरंतर विकास कर पाता है। वहीं, जो परिवर्तन का विरोध करता है, उसकी सोच और व्यक्तित्व वहीं रुक जाते हैं। वे नवीन संभावनाओं से कट जाते हैं। जीवन में सफलता, सम्मान, नई संभावनाओं और मानसिक परिपक्वता का दरवाजा तभी खुलता है, जब हम नई परिस्थितियों को स्वीकार करके आगे बढ़ते हैं।

मनुष्य के विकास की यात्रा बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक परिवर्तन की ही श्रृंखला है। बचपन में जहां मासूमियत और सीखने की प्रवृत्ति होती है, वहीं युवावस्था में महत्त्वाकांक्षा, चुनौतियां और संघर्ष सामने आते हैं। फिर धीरे-धीरे परिपक्व होकर जीवन के गहरे अर्थ समझ में आते हैं। अगर हम इस यात्रा में पुराने अनुभवों को थामे रहते और नई परिस्थितियों को नकारते, तो सीखने और बढ़ने की प्रक्रिया वहीं थम जाती। इसका अर्थ यह है कि व्यक्तित्व का निर्माण तभी होता है, जब हम हर बदलाव को अवसर मानकर उसे आत्मसात करते हैं।

बदलाव को अपनाने का पहला कदम मानसिक लचीलापन है। जब कोई नई स्थिति हमारे सामने आती है, तो प्रारंभ में भय और असुरक्षा की भावना स्वाभाविक होती है। यह याद रखना चाहिए कि कोई भी नया अनुभव हमें या तो सफलता देगा या सीखने का अवसर। उदाहरण के लिए, तकनीक में आए बदलाव ने कार्य करने का ढंग पूरी तरह बदल दिया। जो लोग समय के साथ नई तकनीकों को अपनाते रहे, वे न केवल पेशेवर रूप से आगे बढ़े, बल्कि जीवन को भी सरल बना पाए।

व्यक्तित्व के विकास में बदलाव को अपनाने का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति अपनी मूल पहचान खो दे, बल्कि इसका आशय है अपने भीतर सामंजस्य और परिपक्वता लाए। जैसे एक वृक्ष अपनी जड़ों को मजबूत रखते हुए समय के साथ नई शाखाएं फैलाता है, वैसे ही व्यक्तित्व को अपने मूल मूल्यों को कायम रखते हुए नए विचारों, अनुभवों और परिस्थितियों को आत्मसात करना चाहिए। इससे व्यक्ति का दृष्टिकोण व्यापक होता है और व्यक्तित्व आकर्षक और प्रेरणादायक बनता है। इतिहास में कई महान व्यक्तियों ने बदलाव की शक्ति को अपनाकर समाज में अमिट छाप छोड़ी है। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को अपने जीवन का आधार बनाया, लेकिन परिस्थिति के अनुसार उन्होंने अपने संघर्ष के तरीकों को बदला। जब समाज में रोजगार या जीवनशैली के नए स्वरूप सामने आए, तो जिन्हें उन्हें अपनाने का साहस था, वही आगे निकल पाए।

बदलाव का विरोध करने से व्यक्ति में हताशा और संकीर्णता जन्म लेती है। जो लोग पुराने अनुभवों और आदतों की कैद में रहते हैं, वे नई संभावनाओं से वंचित हो जाते हैं। उदाहरण के लिए, अगर कोई छात्र केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रहे और डिजिटल माध्यमों को अपनाने से हिचके, तो वह व्यापक ज्ञान और अवसरों तक नहीं पहुंच पाएगा। इसी तरह अगर एक किसान पारंपरिक पद्धति को ही सर्वोत्तम मानता है और आधुनिक तकनीकों को नकारता है, तो शायद उसकी उपज और आय उतनी प्रभावी न हो, जितनी हो सकती है।

व्यक्तित्व पर बदलाव का सबसे सकारात्मक प्रभाव यह होता है कि यह आत्मविश्वास को बढ़ाता है। जब कोई कठिन परिस्थिति या नया अवसर हमारे सामने आता है और हम उसे स्वीकार कर सफलता प्राप्त करते हैं, तो हमें अपने सामर्थ्य का पता चलता है। यह अनुभव बार-बार हमें और दृढ़ बनाता है। धीरे-धीरे यह आत्मविश्वास व्यक्तित्व का स्थायी हिस्सा बन जाता है। यही आत्मविश्वास हमें भविष्य की अनिश्चितताओं का सामना करने में सक्षम बनाता है।

युवाओं के लिए बदलाव को अपनाना और भी महत्त्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी लगातार बदलते सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी वातावरण में जी रही है। नौकरी के अवसर, पढ़ाई का तरीका, संवाद के माध्यम- सब कुछ तेजी से बदल रहा है। ऐसे समय में वही युवा सफल हो पाएंगे जो हमेशा सीखने के लिए तैयार होंगे और नवीनताओं का स्वागत करेंगे। यह लचीलापन न केवल उनके करिअर को दिशा देगा, बल्कि उनके व्यक्तित्व को आत्मविश्वासी, परिपक्व और संतुलित बनाएगा।

इस प्रक्रिया का एक पहलू यह भी है कि बदलाव हमें सहनशील और संवेदनशील बनाता है। जब हम जीवन की अलग-अलग परिस्थितियों और लोगों से गुजरते हैं, तो हमें यह अनुभव होता है कि हर व्यक्ति और परिस्थिति का अपना महत्त्व होता है। यह समझ व्यक्तित्व को विनम्रता, करुणा और स्वीकार्यता के गुणों से सजाती है। ऐसे व्यक्ति समाज में अधिक सम्मानित और प्रिय बन जाते हैं। व्यक्तित्व का विकास केवल शारीरिक या बौद्धिक परिपक्वता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनात्मक और आध्यात्मिक पक्ष भी सम्मिलित होता है। जब हम बदलाव को स्वीकार करना सीखते हैं, तो हमें यह एहसास होता है कि जीवन अनिश्चितताओं का नाम है। दरअसल, बदलाव को अपनाना व्यक्तित्व के विकास की कुंजी है। यही हमें समय के साथ प्रासंगिक बनाए रखता है और जीवन यात्रा को सार्थक करता है। जैसे नदी अपने प्रवाह में हर मोड़ को पार करते हुए समुद्र तक पहुंचती है, वैसे ही मनुष्य का जीवन भी हर परिवर्तन को स्वीकारते हुए अपनी पूर्णता की ओर बढ़ता है। इसलिए आवश्यकता है कि हम बदलाव को भय या चुनौती न मानकर अवसर और विकास का मार्ग मानें। ऐसा करके ही हम अपने भीतर संतुलित, आत्मविश्वासी और प्रेरणादायक व्यक्तित्व का निर्माण कर सकते हैं।

नाटो से टकराव, ग्रीनलैंड पर नजर, क्या ट्रंप की आर्कटिक राजनीति पश्चिमी गठबंधन को तोड़ देगी?

एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, जर्मनी के ज्यादातर लोग मानते हैं कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां 'नाटो' को खतरे में डाल रही हैं। 'जेडडीएफ पालिटबैरोमीटर' सर्वे में शामिल लगभग 78 फीसद लोगों ने कहा कि ट्रंप का रवैया गठबंधन के लिए खतरा है, जबकि 18 फीसद लोग इससे सहमत नहीं थे। बाकी लोगों ने कहा कि वे पक्का नहीं कह सकते।

यह सर्वे ऐसे समय में आया है, जब ट्रंप ग्रीनलैंड पर अमेरिका के दावों पर जोर दे रहे हैं, जो संसाधन से भरपूर आर्कटिक द्वीप है। नाटो सदस्य डेनमार्क का हिस्सा है ग्रीनलैंड, लेकिन उसे काफी आजादी मिली हुई है। इस मसले पर डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन का कहना है कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड पर हमला करता है, तो लंबे समय से चला आ रहा गठबंधन खत्म हो जाएगा।

यह सवाल भी पूछा गया कि अगर अमेरिका आर्थिक संसाधनों को हासिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए दूसरे देशों में सैन्य हस्तक्षेप करता है, तो यूरोपीय संघ को क्या प्रतिक्रिया देनी चाहिए, तो 69 फीसद लोगों के स्पष्ट बहुमत ने कहा कि यूरोपीय संघ को ऐसे कामों का विरोध करना चाहिए। लगभग 22 फीसद लोगों का मानना है कि ब्रसेल्स को इससे दूर रहना चाहिए, जबकि सिर्फ पांच फीसद लोगों ने कहा कि यूरोपीय संघ को अमेरिका का साथ देना चाहिए।

क्षेत्रफल के हिसाब से ग्रीनलैंड वृहदाकार है। हालांकि अमेरिका, रूस, कनाडा और चीन काफी बड़े हैं, लेकिन ग्रीनलैंड, जर्मनी से लगभग छह गुना बड़ा है। भारत को ग्रीनलैंड से डेढ़ गुना बड़ा माना जा सकता है, लेकिन मर्केटर प्रोजेक्शन वाले मानचित्रों पर ध्रुवों के करीब होने के कारण ग्रीनलैंड अक्सर भारत से बहुत बड़ा दिखता है।

असल में, ग्रीनलैंड पूरे यूरोपीय संघ के आधे से ज्यादा आकार का है और दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है, जबकि आस्ट्रेलिया, जिसे यह ताज मिलना चाहिए था, उसे एक महाद्वीप माना जाता है। ग्रीनलैंड के साथ भारत का रिश्ता मुख्य रूप से डेनमार्क के साथ उसकी मजबूत 'ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' यानी हरित रणनीतिक साझेदारी के जरिए आगे बढ़ता है, जो पर्यावरण, अक्षय ऊर्जा और तकनीक पर केंद्रित है। आर्कटिक इलाके में भारत स्थिरता और शांतिपूर्ण बातचीत का समर्थन करता है।

सिर्फ 56, 000 निवासियों के साथ ग्रीनलैंड धरती पर सबसे कम आबादी वाला इलाका माना गया है, जहां प्रति वर्ग किमी में लगभग 0.14 लोग रहते हैं। इसकी वजह ग्रीनलैंड की भौगोलिक स्थिति है। इस देश का 80 फीसद हिस्सा लगभग 30 लाख साल पहले बनी बर्फ की चादर से ढका हुआ है, जिससे बड़े इलाके रहने लायक नहीं हैं।

65 फीसद से ज्यादा आबादी ग्रीनलैंड की पांच नगरों में रहती है। नुक ग्रीनलैंड की राजधानी है। वहां केवल 19, 905 लोग रहते हैं। सिसिमियुट (5, 485), इलुलिसैट (5, 087), काकोर्तोक (3, 069) और आसियात में केवल 2, 992 लोग रहते हैं। भारत के छोटे से छोटे कस्बे में इनसे कई गुना ज्यादा आबादी मिलेगी।

ग्रीनलैंड की रक्षा की जिम्मेदारी डेनमार्क की है। हालांकि, ग्रीनलैंड को खरीदने या उस पर हमला करने की हालिया धमकियां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से जुड़ी हैं, लेकिन यह डेनिश क्षेत्र उससे कहीं ज्यादा समय से अमेरिकी हितों के लिए महत्त्वपूर्ण रहा है। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री विलियम सेवर्ड ने 1867 में ही ग्रीनलैंड को अपने साथ मिलाने की बात की थी।

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने यह सुनिश्चित करने के लिए ग्रीनलैंड के सामरिक हिस्सों पर कब्जा कर लिया था, ताकि यह नाजी जर्मनी के हाथों में न जाए। अमेरिका वर्तमान में उत्तर-पश्चिमी ग्रीनलैंड के 'पिटुफिक स्पेस बेस' का संचालन करता है, जिसे 1951 में अमेरिका और डेनमार्क द्वारा ग्रीनलैंड रक्षा संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद बनाया गया था। साल 2023 में 'थुले एअर बेस' का नाम बदलकर 'पिटुफिक स्पेस बेस' कर दिया गया था।

चीन ने 2018 में आर्कटिक क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाने के प्रयास में खुद को 'निकट-आर्कटिक राज्य' घोषित किया। आर्कटिक सर्कल भूमध्यरेखा से उत्तर में लगभग 66.5 डिग्री अक्षांश पर स्थित है, जहां गर्मी के दिनों में चौबीस घंटे सूरज क्षितिज से नीचे नहीं डूबता और सर्दियों में चौबीस घंटे उदय नहीं होता।

यह रेखा आठ देशों–कनाडा, डेनमार्क (ग्रीनलैंड), फिनलैंड, आइसलैंड, नार्वे, रूस, स्वीडन और अमेरिका (अलास्का)–के हिस्सों से होकर गुजरती है। इसके उत्तर का क्षेत्र 'आर्कटिक' कहलाता है।

वर्ष 2025 में डेनमार्क और ग्रीनलैंड के भूवैज्ञानिक सर्वे में पाया गया कि द्वीप की बर्फ की चादर लगातार उनतीसवें साल भी सिकुड़ गई है। 'ग्रीनलैंड आइस शीट' ने हर साल लगभग 140 बिलियन टन बर्फ खो दी है।

आर्कटिक बर्फ का पतला होना, इस इलाके में बढ़ती दिलचस्पी का एक और मुख्य कारण माना जाता है, खासकर अमेरिका की। ऐसा लगता है कि यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक उत्तर-पश्चिम गलियारा बनाएगा, जिसका मतलब यह हो सकता है कि अमेरिका को ग्रीनलैंड के खनिज संसाधनों तक पहुंच के लिए रूस, चीन और दूसरे देशों के साथ मुकाबला करना पड़ेगा।

ग्रीनलैंड में यूरोपीय संघ यूनियन द्वारा जरूरी माने जाने वाले चौंतीस कच्चे माल में से कम से कम पच्चीस मौजूद हैं। हालांकि, इस इलाके में काफी मात्रा में लौह तत्त्व, ग्रेफाइट, टंगस्टन, पैलेडियम, वैनेडियम, जिंक, सोना, यूरेनियम, तांबा और तेल है, लेकिन सीमित बुनियादी ढांचे के कारण इनमें से ज्यादातर को निकालना मुश्किल है। ग्रीनलैंड के 'दुर्लभ खनिज' सबसे ज्यादा मांग वाली चीज है, जिस पर अमेरिका की गिद्ध दृष्टि लगी है।

हाल ही में आठ यूरोपीय देशों ने ग्रीनलैंड में कुछ सैनिक भेजने की हिम्मत की थी, पर ट्रंप द्वारा दस फीसद शुल्क दर लगाने की धमकी के बाद गुस्सा और बढ़ा है। ग्रीनलैंड समर्थक यूरोपीय देशों पर नए शुल्क लगाने की ट्रंप की धमकी के जवाब में यूरोपीय संघ अपने सबसे सख्त व्यापार नियम 'बजूका' पर विचार करने पर मजबूर हो गए हैं।

यह कदम अमेरिकी सामानों और कंपनियों को यूरोपीय संघ के बाजार में पहुंच से रोक सकता है। हालांकि नाटो में पहले भी अमेरिका का विरोध होता रहा है, मगर बाद में 'सुलह' भी हो जाती है। दरअसल, अमेरिका में इस साल मध्यावधि चुनाव और घरेलू मोर्चे पर ट्रंप की विफलता ने सारा गड्डमड्ड कर डाला है।

उससे सबका ध्यान बंटे, इस वजह से ट्रंप कभी वेनेजुएला, तो कभी ईरान, गाजा, यूक्रेन के मुद्दे को पहाड़ की तरह उठा लेते हैं। ग्रीनलैंड भी ऐसे ही अभियान का हिस्सा है। हालांकि, इसका विरोध अमेरिका में ही शुरू हो चुका है।

अमेरिकी सीनेटरों ने राष्ट्रपति ट्रंप के आर्कटिक आइलैंड ग्रीनलैंड को अमेरिकी नियंत्रण में लाने की योजना की आलोचना की। अलास्का की रिपब्लिकन सीनेटर लिसा मुर्कोव्स्की ने अपनी डेमोक्रेटिक साथी न्यू हैम्पशायर की जीन शाहीन के साथ मिलकर एक विधेयक पेश किया है, जो किसी दूसरे नाटो सदस्य देश के इलाके पर एकतरफा कब्जा करने पर रोक लगाएगा।

मुर्कोव्स्की ने कहा कि यह अब तक का सबसे सफल रक्षा समझौता है, जिसे ट्रंप बाधित कर रहे हैं। यों, 'यूनिटी प्रोटेक्शन बिल' सीनेट और उसके बाद प्रतिनिधि सभा में बहुमत के साथ पास होने की उम्मीद कम है। बहुमत का मतलब ट्रंप के विरुद्ध खुली बगावत होगा।

जल्दी ही डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन वाशिंगटन में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेशमंत्री मार्को रुबियो से ग्रीनलैंड पर अमेरिकी दावों पर बात करने के लिए मिलेंगे। लेकिन लगता नहीं कि ट्रंप इतनी जल्द पीछे हटेंगे। ग्रीनलैंड अमेरिकी कूटनीति का 'हरि अनंत हरि कथा अनंता' बन चुका है!

विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, मध्य रेल द्वारा भुसावल एवं नागपुर मंडल को संयुक्त रूप से समग्र दक्षता शील्ड प्रदान की गई, साथ ही विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार के अवसर पर विभिन्न मंडलों/कार्यशालाओं/स्टेशनों को अंतर-मंडलीय दक्षता शील्ड प्रदान की गई

उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए अट्ठानवे रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 'विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने केंद्रीय रेल सभागार, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में आयोजित भव्य समारोह में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए अट्ठानवे व्यक्तियों को 'विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' तथा विभिन्न मंडलों/कार्यशालाओं/स्टेशनों को कुल शील्ड प्रदान कीं।

महाप्रबंधक का स्वागत प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री पी पी पांडेय द्वारा पौधारोपण के साथ किया गया तथा कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति से गणेश वंदना के बीच दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

उत्कृष्टता के लिए महाप्रबंधक की समग्र दक्षता शील्ड भुसावल एवं नागपुर मंडल को संयुक्त रूप से प्रदान की गई।

भुसावल मंडल ने स्वतंत्र रूप से विद्युत, लेखा, कार्मिक, चिकित्सा एवं भंडार शील्ड के साथ-साथ स्वच्छता के लिए सर्वश्रेष्ठ मंडल शील्ड सहित कुल शील्ड प्राप्त कीं।

भुसावल मंडल के अकोला स्टेशन ने एनएसजी श्रेणी के अंतर्गत स्वच्छता के लिए सर्वश्रेष्ठ स्टेशन शील्ड प्राप्त की।

नागपुर मंडल ने सुरक्षा, परिचालन तथा सिग्नल एवं दूरसंचार की स्वतंत्र शील्ड प्राप्त कीं।

मुंबई मंडल ने वाणिज्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधन की स्वतंत्र शील्ड तथा पुणे मंडल के साथ संयुक्त रूप से यांत्रिक शील्ड सहित कुल शील्ड जीतीं।

मुंबई मंडल के इगतपुरी स्टेशन को स्वच्छता के लिए सर्वश्रेष्ठ स्टेशन शील्ड तथा लोणावला स्टेशन को स्टेशन पर द्वितीय सर्वश्रेष्ठ उद्यान शील्ड प्राप्त हुई।

पुणे मंडल ने अभियांत्रिकी एवं समयपालन की स्वतंत्र शील्ड तथा मुंबई मंडल के साथ संयुक्त रूप से यांत्रिक शील्ड प्राप्त की।

पुणे मंडल के सांगली स्टेशन को सर्वश्रेष्ठ उद्यान शील्ड प्रदान की गई।

सोलापुर मंडल ने कार्य निष्पादन दक्षता शील्ड एवं ट्रैक मशीन शील्ड प्राप्त की।

माटुंगा कार्यशाला को कार्यशाला दक्षता शील्ड प्रदान की गई, जबकि वर्धा निर्माण इकाई को सर्वश्रेष्ठ निर्माण इकाई की शील्ड प्राप्त हुई।

महाप्रबंधक ने उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए अट्ठानवे रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 'विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' से भी सम्मानित किया।

व्यक्तिगत पुरस्कार श्रेणी में मुंबई मंडल के अट्ठाईस कर्मचारियों ने पुरस्कार प्राप्त कर अग्रणी स्थान हासिल किया, इसके बाद मुख्यालय के इक्कीस पुरस्कार विजेता रहे।

नागपुर मंडल के सत्रह, भुसावल मंडल के सोलह तथा पुणे एवं सोलापुर मंडल के सात-सात कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संबोधन में महाप्रबंधक ने अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार के विजेताओं तथा हाल ही में नई दिल्ली में शील्ड जीतने वाली मध्य रेल की टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रेलवे बोर्ड स्तर पर शील्ड जीतना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

गुप्ता ने कहा कि 'रेलवे से लोगों की अपेक्षाएँ बहुत अधिक हैं' और इन्हें पूरा करने के लिए माननीय रेल मंत्री द्वारा सभी रेलकर्मियों के लिए कुछ उपाय निर्धारित किए गए हैं।

आगामी वर्ष के लिए सुधारों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

यात्रियों, रेल कर्मचारियों तथा रेल संपत्ति एवं प्रणाली की सुरक्षा पर विशेष ध्यान।

तीव्र गति से बदलते समय के साथ तालमेल रखने के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनाना।

अनुरक्षण पद्धतियों का उन्नयन।

प्रशिक्षण मानकों का उन्नयन एवं कौशल विकास पर ध्यान।

बदलते समय के साथ आगे बढ़ने के लिए पुरानी मानसिकता में परिवर्तन।

उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और कहा कि उन्हें विभागाध्यक्षों, मंडलीय रेल प्रबंधकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से युक्त सशक्त कार्यबल पर गर्व है।

उन्होंने उन सभी को भी प्रोत्साहित किया जो इस बार पुरस्कार प्राप्त नहीं कर सके।

महाप्रबंधक ने टीम भावना, समर्पण एवं साझा लक्ष्य के साथ कार्य करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि 'ये पुरस्कार इस बात को सुदृढ़ करते हैं कि परिश्रम और समर्पण को महत्व दिया जाता है और उनका फल अवश्य मिलता है।'

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, सभी प्रधान विभागाध्यक्ष, मंडलीय रेल प्रबंधक, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य तथा मान्यता प्राप्त यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम से पूर्व मध्य रेल के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। संपूर्ण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यूट्यूब चैनल पर किया गया। जनसंपर्क विभाग द्वारा कार्यक्रम को सीधा देखने हेतु क्यूआर कोड प्रणाली की शुरुआत की गई।

गुणवत्ता पूर्ण औषधियाँ ही चिकित्सा में सफलता का मूल मंत्र - डॉ जी एस तोमर

गोरखपुर में प्रवेक कल्प ने आयोजित की वैज्ञानिक संगोष्ठी

गोरखपुर : विश्व आयुर्वेद मिशन एवं प्रवेक कल्प के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन होटल कामा में किया गया । जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ) जी एस तोमर ने किया । विशिष्ट अतिथियों के रूप में आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष डॉ डीपी सिंह एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ शशिकांत सिंह, डॉ प्रकाश चन्द्र त्रिपाठी, डॉ डीके सिंह रहे । संगोष्ठी में डॉ विनम्र शर्मा, डॉ कमलेश पाण्डेय, डॉ लालमणि चौरसिया, डॉ अंजनी कुमार सिंह, डॉ जयन्त नाथ,डॉ विनम्र शर्मा,, डॉ लक्ष्मी अग्निहोत्री, डॉ रमाकांत द्विवेदी सहित शहर के पचास से अधिक चिकित्सकों की उपस्थिति रही ।

अपने उद्बोधन में डॉ डीपी सिंह ने आयुर्वेद को हमारे देश की अमूल्य धरोहर बताते हुए इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला । कोरोना कालखण्ड के अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने आयुर्वेद के महत्व को बताया । डॉ शशिकांत सिंह ने कोरोना कालखण्ड में आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए आयुर्वेद विधा को जीर्ण एवं असाध्य रोगों से लिए बहुत उपयोगी बताया ।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्य प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर ने आयुर्वेद की बढ़ती हुई लोकप्रियता एवं वैश्विक स्वीकार्यता के दृष्टिगत आयुर्वेद विधा से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए सभी लोगों का आह्वान किया कि वह इसकी वास्तविक शक्ति एवं मर्यादाओं का पुनर्मूल्यांकन लोक प्रचलित एवं विश्व स्वीकार्य साक्ष्य आधारित मापदंडों पर कर इसे पुनर्स्थापित करें । डॉ तोमर ने स्पष्ट किया कि आज आयुर्वेद भारत की चारदीवारी से निकल कर वैश्विक क्षितिज पर प्रतिष्ठापित हो रहा है । इस परिदृश्य में हमारी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है । विश्व स्वास्थ्य संगठन का ध्यान वर्तमान में संक्रामक रोगों से हटकर जीवनशैली जन्य रोगों की ओर आकृष्ट हो रहा है । डब्लू एच ओ का मानना है कि 75इ से अधिक जीवनशैली जन्य रोग मात्र खान पान एवं आचार विचार में सुधार लाकर रोके जा सकते हैं । यही नहीं मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गठिया, दमा तथा केंसर जैसे जीर्ण एवं असाध्य रोगों का आयुर्वेद में सफल एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध है । किसी भी चिकित्सा की सफलता उसमें उपलब्ध औषधियों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है । अतः गुणवत्ता पूर्ण औषधियाँ ही किसी चिकित्सक की सफलता का मूल मंत्र है । इस दिशा में प्रवेक कल्प जैसी विश्वसनीय औषधि निर्माण शालाओं का योगदान महत्वपूर्ण है । अपने चिकित्सीय अनुभव को साझा करते हुए डॉ तोमर ने नर्वोकल्प को केंसर आदि सभी जीर्ण रोगों की चिकित्सा में सफलता की कुंजी बताया । इसके अलावा चालीस वर्षों के अपने शोध अनुभव के आधार पर प्रवेकलिव को हिपेटाइटिस बी एवं सी सहित सभी प्रकार के लिवर रोगों के लिए अत्यंत कारगर बताया । वहीं डॉ तोमर ने बताया कि मधुमेह में डायबकल्प, गठिया में रुमाकल्प, श्वास रोग में आस्थाकल्प एवं कास एवं प्रतिश्याय में रेस्पीकल्प के चिकित्सीय प्रभाव भी अत्यन्त उत्साहजनक हैं । डॉ तोमर ने स्पष्ट किया कि पुरानी एवं दुश्चिकित्स्य बीमारियों की चिकित्सा स्वर्ण घटित रसौषधियों से सफलता पूर्वक की जा सकती है । प्रवेक बसन्तकुसुमाकर रस को डायाबिटी ज़ में, बृहतवाताचिन्तामणि रस को आमवात या रुमेटाइड अर्थ्राइटिस में एवं श्वासकासचिन्तामणि रस को अस्थमा में संजीवनी बताया । कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रवेक कल्प के एनएसएम एसपी उनियाल ने अतिथियों का स्वागत किया एवं अतुल तिवारी एवं प्रदीप उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।

माघ मेला-2026 : पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में आगामी स्नान पर्व बसंत पंचमी, अचला सप्तमी एवं गणतंत्र दिवस के दृष्टिगत पुलिस बल की ब्रीफिंग

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आगामी स्नान पर्व बसंत पंचमी (23.01.2026), अचला सप्तमी (25.01.2026) एवं गणतंत्र दिवस (26.01.2026) को सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराए जाने हेतु लगाई जाने वाली ड्यूटियों के सम्बन्ध में आज पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट प्रयागराज की अध्यक्षता में रिजर्व पुलिस लाइन, माघ मेला स्थित तीर्थराज सभागार में पुलिस बल/फील्ड अधिकारियों की ब्रीफिंग आयोजित की गई।

नीरज कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक, माघ मेला द्वारा मौनी अमावस्या स्नान पर्व को सकुशल सम्पन्न कराए जाने पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन हेतु आभार व्यक्त किया गया तथा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को सराहना सहित बधाई दी गई। उन्होंने निर्देशित किया कि आगामी पर्वों पर भी मौनी अमावस्या की भाँति पूर्ण अनुशासन, समन्वय एवं तत्परता के साथ ड्यूटी की जाए। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि दिनांक 23.01.2026 से 26.01.2026 तक लगातार भीड़ दबाव बने रहने की सम्भावना है, अतः सभी घाटों/मार्गों पर भीड़ प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बसंत पंचमी के अवसर पर प्रयागराज के स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति अपेक्षाकृत अधिक रहने तथा सप्ताहांत के कारण यातायात दबाव बढ़ने की सम्भावना को दृष्टिगत रखते हुए व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ रखने हेतु निर्देशित किया गया।

डॉ0 अजय पाल शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) द्वारा अधिकारियों/कर्मचारियों को ब्रीफ करते हुए कहा गया कि मौनी अमावस्या पर सभी इकाइयों द्वारा जिस समर्पण एवं कार्यकुशलता के साथ ड्यूटी सम्पन्न की गई, वही मानक आगामी पर्वों पर भी बनाए रखना होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि मौनी ड्यूटी के दौरान प्राप्त अनुभवों के आधार पर यदि किसी स्तर पर कोई कमी चिन्हित हुई हो तो उसकी तत्काल पूर्ति सुनिश्चित की जाए। गाटा मार्ग पर प्रभावी बैरियर व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा घाटों से निकासी की दर में वृद्धि हेतु निर्देशित किया गया। श्रद्धालुओं को घाटों पर सोने/बैठकर

रुकने अथवा झुण्ड बनाकर मार्ग अवरुद्ध करने से रोका जाए। इसके साथ ही पार्किंग स्थलों का सुव्यवस्थित उपयोग सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। भीड़ प्रबंधन के दृष्टिगत गंगामूर्ति क्षेत्र में ड्रोन तैनाती एवं संगम क्षेत्र में अतिरिक्त बैरियर/कंट्रोल पॉइंट्स बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

जोगेन्द्र कुमार, पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा समस्त पुलिस बल को ब्रीफ करते हुये कहा कि मौनी अमावस्या स्नान पर्व के दौरान अत्यधिक भीड़ दबाव के बीच भी पुलिस व प्रशासन की संयुक्त व्यवस्थाओं से मेले का संचालन सुचारु रूप से सुनिश्चित किया गया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी पर्वों पर मौनी की तुलना में भीड़ अपेक्षाकृत कम हो सकती है, किन्तु भीड़ दबाव पर्याप्त रहेगा, अतः इसे रूटीन ड्यूटी मानकर नहीं, बल्कि उच्च सतर्कता एवं उच्च संवेदनशीलता के साथ संचालित किया जाए।

पुलिस आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि प्रमुख पर्वों से पूर्व श्रद्धालुओं द्वारा वाहन लेकर मेला क्षेत्र के समीप आने की प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए आज रात्रि से ही सघन अभियान चलाकर वाहनों को बाहर कराने, नो-व्हीकल जोन एवं प्रतिबंधित मार्ग व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। यह भी निर्देशित किया गया कि कमिश्नरेट प्रयागराज के जो पर्यवेक्षण अधिकारी नामित किए गए हैं, वे आज रात्रि, कल दिन एवं कल रात्रि में सम्बन्धित क्षेत्रों में भ्रमण कर ड्यूटी प्वाइंट्स पर ब्रीफिंग/सत्यापन करें तथा आवश्यकतानुसार मौके पर सुधारात्मक निर्देश दें।

पुलिस आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि अटेंडेंस शीट पर ड्यूटीरत कर्मियों के हस्ताक्षर कराने से ड्यूटी अनुशासन में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, अतः पूर्ववत प्रत्येक ड्यूटी अवधि में 02 बार उपस्थित कर्मियों के हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से कराए जाएं, ताकि ड्यूटी की सतत उपलब्धता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो सके।

अंत में पुलिस आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि आगामी पर्वों के दौरान भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, घाट सुरक्षा एवं निकासी व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी इकाइयाँ आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा किसी भी स्थिति में व्यवस्था प्रभावित न होने दी जाए।

उक्त ब्रीफिंग में अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), पुलिस अधीक्षक माघ मेला, पुलिस उपायुक्त नगर, पुलिस उपायुक्त गंगानगर, पुलिस उपायुक्त यमुनानगर, अपर जिलाधिकारी (मेला), अपर जिलाधिकारी (नगर) सहित पुलिस एवं प्रशासन तथा अन्य इकाइयों के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ब्लेंडर्स प्राइड ने ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च की घोषणा की

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत के प्रीमियम व्हिस्की सेगमेंट में अग्रणी ब्रांड ब्लेंडर्स प्राइड ने ब्लेंडर्स प्राइड ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक लिमिटेड-एडिशन पेशकश है जो बोल्ड ब्लैक सौंदर्य को ब्लेंडर्स प्राइड के आइकॉनिक ब्लेंड के साथ जोड़कर एक वास्तव में विशिष्ट अनुभव प्रस्तुत करती है। ऊँचे स्तर की लग़्ज़री और विशिष्टता को दर्शाने वाले आकर्षक ब्लैक डिज़ाइन में पैक किया गया ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन चुनिंदा व्हिस्की प्रेमियों के लिए बारीकी से तैयार किया गया है वन इन अ मिलियन के लिए। केवल दस लाख बोतलों की उपलब्धता के साथ, यह एडिशन जितना रेयर है उतना ही रिफाइंड भी है।

माघ मेला में श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य शुभारंभ, कृष्णार्पित ट्रस्ट के पंडाल में गूंजा वेद-गीता-भागवत का अमृतमय संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र के हर्षवर्धन मार्ग स्थित कृष्णार्पित ट्रस्ट के भव्य पंडाल में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का प्रथम दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति, वैदिक ऋचाओं एवं शंखनाद के साथ संपन्न हुआ। वातावरण मंत्रोच्चार, धूप-दीप और हरिनाम संकीर्तन से पूर्णतः आध्यात्मकि हो उठा।

कथा वाचन इं. देवेंद्र नाथ शुक्ला 'कृष्णार्पित' द्वारा किया गया। कथा का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ–

'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय'

'कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने।

प्रणतः क्लेशनाशाय गोविन्दाय नमो नमः?'

कथावाचक शुक्ल जी ने कहा कि भगवान वासुदेव ही जीव के समस्त क्लेशों का नाश कर उसे धर्म, ज्ञान और भक्ति के पथ पर अग्रसर करते हैं–

'वासुदेवः सर्वमिति स महात्मा सुदुर्लभः?'

(गीता 7.19)

गंगा-गाय-गीता-गायत्री : सनातन संस्कृति के चार आधार स्तंभ

कथा में भारतीय सनातन परंपरा के चार मूल स्तंभ–गंगा, गाय, गायत्री और गीता–का भावपूर्ण विवेचन किया गया।

गंगा : लोक-परलोक को तारने वाली दिव्य धारा

गंगा की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया–

'गंगे त्रैलोक्यसारे त्वं

पापनाशिनि पुण्यदे।

नमस्तेऽस्तु महाभागे

त्राहि मां शरणागतम्?'

रामचरितमानस के माध्यम से बताया गया–

'गंग सकल मुद मंगल मूला।

सब सुख करनि हरनि सब सूला?'

गंगा केवल नदी नहीं, अपितु मोक्ष की धारा हैं, जो जीव को भवसागर से पार ले जाती हैं।

गाय : जीवन विज्ञान और सात्त्विक समृद्धि का आधार

गाय को समस्त देवताओं का वास स्थान बताते हुए कहा गया–

'गावः सर्वसुखप्रदाः।'

पंचगव्य–दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर–को शारीरिक, मानसिक एवं

आध्यात्मिक शुद्धि का साधन बताया गया।

राजर्षि दिलीप की गो-सेवा का उदाहरण देते हुए कहा गया–

'सेवया सिद्धिमाप्नोति'

अर्थात सेवा से ही सिद्धि प्राप्त होती है।

गायत्री मंत्र : बुद्धि-शुद्धि का महामंत्र

कथा में गायत्री मंत्र का भावार्थ अत्यंत गूढ़ रूप से प्रस्तुत किया गया–

'ॐ भूर्भुवः स्वः

तत्सवितुर्वरेण्यं

भर्गो देवस्य धीमहि

धियो यो नः प्रचोदयात्?'

अर्थ–

हम उस परम तेजस्वी, पापनाशक, सृष्टिकर्ता ईश्वर का ध्यान करते हैं,

जो हमारी बुद्धि को धर्म, विवेक और सत्य की ओर प्रेरित करे।

गीता के श्लोक से इसे प्रमाणित किया गया–

'गायत्री छन्दसामहम्।'

(गीता 10.35)

गीता : उपनिषदों का अमृत

गीता की महिमा बताते हुए प्रसिद्ध श्लोक उद्धृत किया गया–

'सर्वोपनिषदो गावो

दोग्धा गोपालनन्दनः।

पार्थो वत्सः सुधीर्भोक्ता

दुग्धं गीतामृतं महत्?'

अर्थ–

उपनिषदें गाय हैं,

श्रीकृष्ण दुग्धदाता हैं,

अर्जुन बछड़ा है

और गीता अमृतरूप दुग्ध है।

गीता अध्याय प्रथम : विषाद से विवेक की यात्रा

प्रथम अध्याय को मोहजनित विषाद योग बताते हुए कहा गया–

धृतराष्ट्र–अज्ञान और आसक्ति का प्रतीक

संजय–दिव्य दृष्टि और विवेक का स्वरूप

कुरुक्षेत्र–दैवी और आसुरी प्रवृत्तियों का संघर्ष क्षेत्र

अर्जुन का विषाद करुणा, कर्तव्य, धर्म और अधर्म के द्वंद्व का प्रतीक है–

'न काङ्क्षे विजयं कृष्ण

न च राज्यं सुखानि च।'

(गीता 1.32)

यही विषाद आगे चलकर ज्ञान का द्वार बनता है।

श्रीमद् भागवत कथा : संस्कार और चेतना का महाअभियान

कथावाचक ने कहा कि स्त्री-मत भागवत कथा

नारी चेतना, परिवार संस्कार और सामाजिक संतुलन का सशक्त माध्यम है–

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते

रमन्ते तत्र देवताः।'

कथा के दौरान श्रद्धालु निरंतर 'हर-हर गंगे', 'जय श्रीकृष्ण', 'राम-राम' के जयघोष करते रहे।

पूरा पंडाल भक्ति, भाव और वैराग्य से आप्लावित हो उठा। यह कथा केवल श्रवण नहीं, बल्कि जीवन को धर्म, भक्ति और ज्ञान की दिशा देने वाली दिव्य साधना है।

मंत्री ने बूथ समितियों के साथ बैठक कर नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयास की समीक्षा की

पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहने पाएं, इसलिए निभाएं सक्रिय जिम्मेदारी : नन्दी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बुधवार को प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथ क्षेत्रों में बूथ समितियों के साथ बैठक कर भारत निर्वाचन आयोग के आदेश पर मतदाता सूची में नए मतदाताओं का नाम जोड़े जाने एवं त्रुटि सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री नन्दी ने बूथ अध्यक्षों के साथ ही लोगों से मुलाकात की। मंत्री नन्दी ने कहा कि एक जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नवयुवकों यानि नए मतदाताओं एवं छूटे हुए पात्र मतदाताओं से फॉर्म-6 भरवाए जा रहे हैं। इसके अलावा मृतक एवं अनधिकृत मतदाताओं के नाम सूची से हटाने के लिए फॉर्म-7 तथा नाम, पिता-पति का नाम, आयु आदि में संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरवाया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं एवं बूथ समितियों से अपील करते हुए कहा कि पात्र पागरिकों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने में मदद करें। जिनके पास दस्तावेज नहीं है, उनकी मदद कर तत्काल बनवाकर बीएलओ को दें ताकि पात्र व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न रहने पाए। बीएलओ से भी कहा कि एक भी पात्र मतदाता छूटने न पाए और सभी के नाम क्रमबद्ध सूची में शामिल हो जाएं।

मंत्री नन्दी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के नियम के अनुसार फॉर्म 6 भरते समय जन्मतिथि एवं आवासीय पते के साक्ष्य के रूप में आधार कार्ड मान्य है। जन्मतिथि के साक्ष्य के रूप में आधार कार्ड के अलावा भी पाँच अन्य विकल्प उपलब्ध है। जिनमें से भी कोई एक दस्तावेज साक्ष्य के रूप में मान्य होगा। इसी प्रकार आवासीय पते के साक्ष्य के रूप में आधार कार्ड के अलावा छह अन्य विकल्प उपलब्ध है। जिनमें से भी कोई एक दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में मान्य होगा। इन सारे दस्तावेजी विकल्पों की लिस्ट फार्म 6 में ही दी गई है। दस्तावेजी साक्ष्य देने पर आवेदक का नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया जाएगा।

प्रौद्योगिकी संसदीय पारदर्शिता का नया स्तंभ है– विधानसभा अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर

1937 से विधानसभा कार्यवृत्त का डिजिटलीकरण, पारदर्शिता में महाराष्ट्र अग्रणी

लखनऊ, उत्तर प्रदेश, दिनांक 20: प्रौद्योगिकी विधायिका के कार्य में पारदर्शिता, दक्षता और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी साधन सिद्ध हो रही है, ऐसा प्रतिपादन महाराष्ट्र विधान सभा अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर ने किया। वे लखनऊ में आयोजित 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन) में संबोधित कर रहे थे।

'पारदर्शी, दक्ष और नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रिया के निर्माण हेतु प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग' विषय पर बोलते हुए अध्यक्ष नार्वेकर ने कहा कि आज संसदीय लोकतंत्र उस चरण में है, जहाँ दीर्घकालीन परंपराओं और भविष्य उन्मुख शासन के बीच समन्वय आवश्यक है। डिजिटल परिवर्तन केवल यंत्रीकरण नहीं, बल्कि जनविश्वास की पुनर्स्थापना और नागरिकों तथा विधायिका के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने की प्रक्रिया है। सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना, महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे सहित देशभर के विभिन्न विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारी उपस्थित थे।

अध्यक्ष नार्वेकर ने कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में आत्ममंथन और नवाचार का अत्यंत महत्वपूर्ण मंच है।

डिजिटल लोकतंत्र की अनिवार्यताष्ठ

अध्यक्ष अधिवक्ता नार्वेकर ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने सरकार और जनता के बीच की दूरी को काफी हद तक कम किया है। लोकतंत्र एकतरफा संवाद प्रक्रिया नहीं रह सकता; इसे सहभागितापूर्ण और संवादात्मक होना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दूरदर्शी नेतृत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने 'डिजिटल संसद' की अवधारणा पर बल दिया और कहा कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान

की आवाज़ भी लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर तक पहुँचे। उन्होंने 'एक राष्ट्र - एक विधायी मंच' की अवधारणा को केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही का नैतिक दायित्व बताया।

महाराष्ट्र की डिजिटल यात्राः विरासत का संरक्षण, पारदर्शिता में वृद्धिष्ठ

महाराष्ट्र की अग्रणी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए अध्यक्ष नार्वेकर ने कहा कि महाराष्ट्र विधायिका पिछले दो दशकों से विधान परिषद के डिजिटलीकरण में देश में अग्रणी रही है। उन्होंने बताया कि विधानसभा की 1937 से अब तक की कार्यवाही–जिसमें स्वतंत्रता-पूर्व काल की चर्चाएँ और संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन से जुड़े अभिलेख शामिल हैं–का पूर्णतः डिजिटलीकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इन सभी अभिलेखों के अध्ययन योग्य होने और आम जनता के लिए उपलब्ध होने से विधायक, शोधकर्ता, विद्यार्थी और नागरिकों को व्यापक लाभ मिल रहा है। 'इतिहास के बिना विधायिका, जड़ों के बिना वृक्ष के समान है,' यह कहते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि विधायिका की स्मृति का लोकतंत्रीकरण संस्थागत निरंतरता को सशक्त कर रहा है।

त्वरित संदर्भ उपलब्धताष्ठ

पारदर्शिता की दृष्टि से दृश्य माध्यमों के महत्व को रेखांकित करते हुए अध्यक्ष नार्वेकर ने कहा कि महाराष्ट्र में 2012 से सदन की कार्यवाही का संपूर्ण श्रव्य-दृश्य प्रसारण किया जा रहा है। इससे नागरिकों को विधायिका की कार्यवाही प्रत्यक्ष देखने का अवसर मिल रहा है और भ्रामक सूचनाओं पर भी अंकुश लगा है।

उन्होंने बताया कि प्रश्नोत्तर काल, चर्चाएँ तथा विधेयकों पर बहस के अभिलेखों की सहज उपलब्धता से कार्यपालिका की जवाबदेही बढ़ रही है और जनजागरूकता को भी मजबूती मिल रही है।

भिवंडी में रफ्तार बनी काल, दो अलग-अलग हादसों में युवक और बुजुर्ग घायल

ट्रक और कार चालक फरार, पुलिस ने दर्ज किए केस

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग एक बार फिर जानलेवा साबित हुई है। कोंनगांव पुलिस थाना क्षेत्र में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक 20 वर्षीय युवक और एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों मामलों में अज्ञात वाहन चालकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पहली घटना 16 जनवरी की सुबह करीब 10 बजे राजनोली इलाके में घटी। पुलिस के अनुसार, करण अजयकुमार राम (20) अपनी बाइक से कल्याण की ओर जा रहा था। तभी सामने से आ रहे एक ट्रक चालक ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि करण सड़क पर गिर पड़ा और उसके पैर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घायल करण को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

दूसरी घटना 15. जनवरी की सुबह करीब 11 बजे वेद हॉस्पिटल के सामने, कोंनगांव-भिवंडी रोड पर हुई। इस हादसे में सिद्धकी सादी निजामुद्दीन (22) और उनके पिता निजामुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपनी बर्गमैन स्कूटी से जा रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार कार ने दोनों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनो सड़क पर गिर पड़े, जिससे दोनों के पैरों में गंभीर फ्रैक्चर हो गया। कार चालक भी दुर्घटना के बाद बिना रुके फरार हो गया।कोंनगांव पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात चालकों के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और गंभीर चोट पहुंचाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है।

भिवंडी से 17 वर्षीय किशोरी लापता, अपहरण की आशंका.

भिवंडी। शहर के सुभाष नगर इलाके से एक 17 वर्षीय किशोरी के रहस्यमय ढंग से लापता होने से हड़कंप मच गया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर भोईवाड़ा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता अपनी बेटी के साथ सुभाष नगर इलाके में रहती हहै। 11 जनवरी की शाम करीब 7 बजे उनकी बेटी रोज की तरह 'स्कूल जा रही हूं' कहकर घर से निकली थी, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर बेटी की तलाश की। जब कहीं कोई सुराग नहीं मिला तो मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर या किसी साजिश के तहत किशोरी का अपहरण किया हो सकता है। लड़की की उम्र जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार 17 वर्ष 8 महीने बताई गई है। भोईवाडा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस टीम इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और किशोरी के दोस्तों व परिचितों से पूछताछ की जा रही है। जिसकी आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक संदिप कांबले कर रहे है।

तीन लाख बिजली चोरी का खुलासा

शांतिनगर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, आरोपी फरार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के निजामपुरा इलाके में बिजली चोरी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। टोरेंट पावर की विशेष जांच टीम की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत केस दर्ज किया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने अवैध रूप से बिजली लाइन से सीधा कनेक्शन लेकर सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता विकास राजेश प्रजापति (23), जो टोरेंट पावर में कार्यरत हैं, ने 20 जनवरी को शांतिनगर पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि भिवंडी के निजामपुरा 4 इलाके में स्थित घर नंबर 377/2 में रहने वाला मसूर अंसारी अवैध तरीके से बिजली का उपयोग कर रहा था। जांच के दौरान यह पाया गया कि आरोपी ने बिजली मीटर को बाईपास कर दो कोर काली तार के जरिए सीधा कनेक्शन जोड़ रखा था और करीब 8686 यूनिट बिजली का अवैध उपभोग किया। इससे कंपनी को लगभग ?3,13,149.24 का आर्थिक नुकसान हुआ है। टोरेंट पावर की टीम ने मौके पर पंचनामा कर अवैध कनेक्शन जब्त किया और पूरे मामले की रिपोर्ट पुलिस को सौंपी। इसके बाद शांतिनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी फरार बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बिजली चोरी जैसे अपराध न केवल सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते हैं। मामले की गहन जांच जारी है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

बेलापुर विभाग में अनधिकृत झुग्गियों के विरुद्ध निष्कासन कार्रवाई

नवी मुंबई महानगरपालिका के अतिक्रमण विभाग की ओर से, माननीय आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशानुसार तथा अपर आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे और उप आयुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलाश गायकवाड के मार्गदर्शन में बेलापुर विभाग में निष्कासन की कार्रवाई की गई।

सेक्टर-38, करावे गाँव, प्लॉट क्रमांक 158 के सामने, नवी मुंबई महानगरपालिका के विकास हेतु आरक्षित भूमि पर अतिक्रमण कर लगभग 29 कच्चे कमरे बनाए गए थे। संबंधित व्यक्तियों को स्वयं अनधिकृत निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे, किंतु निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि उक्त अनधिकृत निर्माण हटाया नहीं गया।

इस कारण, दिनांक 21/01/2026 को अतिक्रमण विभाग के बेलापुर कार्यालय द्वारा उक्त अनधिकृत निर्माण पर विध्वंस अभियान आयोजित कर निष्कासन की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान विभागीय कार्यालय के अंतर्गत बेलापुर विभाग के उप आयुक्त एवं विभागीय अधिकारी श्री प्रशांत नेरकर, उप अभियंता श्री आत्माराम काले सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस विध्वंस अभियान के लिए श्रमिक-10, जेसीबी-01 सहित आवश्यक मानवबल एवं उपकरणों का उपयोग किया गया। साथ ही, पुलिस अधिकारी/कर्मचारी तथा अतिक्रमण विभाग के सुरक्षा रक्षक भी मौके पर उपस्थित थे।

विवाहिता पर ससुरालवालों का कहर

दहेज, मारपीट का आरोप, पति समेत चार पर केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शांतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है। एक 32 वर्षीय विवाहिता ने अपने पति, सास, देवर और पति के खिलाफ मारपीट, मानसिक प्रताड़ना और घर से निकालने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी जावेद हनीफ शेख से हुई थी और वह गोविंदवाड़ी, पतरीपुल, कल्याण स्थित ससुराल में रहती थी। कुछ समय बाद पति जावेद, सास अल्लाहू, देवर शाहिद और पति की दूसरी पत्नी रिजवाना शेख ने मिलकर उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।आरोप है कि पति ने पीड़िता के साथ मारपीट की और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता रहा। इतना ही नहीं, पति दूसरी महिला के साथ रहने लगा और इसी को लेकर पीड़िता को घर से निकाल दिया गया। पीड़िता का कहना है कि उसके साथ शारीरिक और मानसिक क्रूरता की गई और उसे मजबूरी में मायके लौटना पड़ा। पीड़िता की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने केस दर्ज किया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं 85, 115(2), 352(2),3(5) और अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भिवंडी में देह व्यापार का भंडाफोड़, महिला दलाल गिरफ्तार

मुंबई की दो युवतियों को बेचने की कोशिश, होटल से पकड़ी गई आरोपी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी में अनैतिक देह व्यापार के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। कोंनगांव पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर होटल संदीप वेजेस, गोवे नाका, पिंपलघर रोड पर छापा मारकर एक महिला दलाल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पर दो युवतियों को देह व्यापार में धकेलने और उनसे जबरन शारीरिक संबंधों के लिए सौदेबाजी करने का गंभीर आरोप है।

पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता विजय गणपत नाइक (48), जो ठाणे में अनैतिक मानव तस्करी विरोधी प्रकोष्ठ में तैनात हैं, को सूचना मिली थी कि एक महिला भिवंडी इलाके में लड़कियों को ग्राहकों के पास भेजकर देह व्यापार चला रही है। इस सूचना के बाद 20 जनवरी की दोपहर करीब 3:55 बजे होटल में जाल बिछाया गया। छापे के दौरान आरोपी मुशरत अंसार मिर्जा (40) को हिरासत में लिया गया। जांच में सामने आया कि वह मुंबई के सांताक्रूज़ इलाके की दो महिलाओं - फिरदौस बेगम मोहम्मद शफीक सिद्दीकी (36) और राबिया शरीफुल शेख (33) - को भिवंडी लाकर जबरन देह व्यापार में धकेल रही थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर उन्हें ग्राहकों से मिलवाती और उससे मिलने वाली रकम खुद हड़प लेती थी.पुलिस ने मौके से अहम सबूत भी जब्त किए हैं। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 143(1), 143(3) तथा अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 की धाराओं 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया गया है। कोंनगांव पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस रैकेट में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और क्या इसके तार मुंबई व अन्य शहरों से भी जुड़े हैं। पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित स्थान पर भेजकर उनका बयान दर्ज किया जा रहा है। जिसकी आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक रमेश जाधव कर रहे हैं।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के जीजीआईएमएस में टीबी पर विशिष्ट व्याख्यान

पिप्पली क्षीरपाक क्षय रोगियों की संजीवनी- डॉ जी एस तोमर

गोरखपुर। दिनांक 21 जनवरी 2026 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् में ट्युबरकुलोसिस (राजयक्ष्मा) की आयुर्वेद चिकित्सा विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर आयुष-एनटीईपी कोलेबोरेसन के तकनीकी समूह के सदस्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष व आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, डॉ जी एस तोमर ने कहा कि हज़ारों वर्ष पहले आयुर्वेद में राजयक्ष्मा का जो वर्णन किया गया है वह वर्तमान चिकित्सा विधा के ट्युबरकुलोसिस से बहुत मेल खाता है । पाश्चात्य विधा में इसकी सफल चिकित्सा उपलब्ध है । किन्तु निदान के बाद निर्धारित अवधि तक वांछित मात्रा से कम या अनियमित खुराक लेने से यह रोग मल्टी ड्रग रजिस्टेंट (एमडीआर) टीबी में बदल जाता है । जिसमें एटीटी में प्रयुक्त औषधियाँ निष्प्रभावी हो जाती हैं । यह स्थिति अत्यन्त घातक है । इस प्रकार के रोगियों की बढ़ती हुई संख्या चिकित्सकों के चिन्ता का विषय बनता जा रहा है ।

डॉ तोमर ने बताया कि अपने शोध में उन्होंने ऐसे रोगियों की चिकित्सा में पिप्पली क्षीरपाक को अत्यन्त प्रभावी पाया । इससे न केवल रोगियों में लाक्षणिक सुधार मिला अपितु प्रयोगशालीय परीक्षणों में भी सकारात्मक परिणाम मिले । यही नहीं इसके प्रयोग से रजिस्टेंट हुईं एटीटी की औषधियाँ पुनः सक्रिय हो गईं । यह बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि है । आयुष एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम सहयोग के तकनीकी समूह का सदस्य होने के नाते मैं इसे अग्रिम बैठक में प्रस्तुत करने वाला हूँ । इसके अलावा उन्होंने कहा कि आयुर्वेदीय औषधियाँ टीबी की चिकित्सा में प्रयुक्त पाश्चात्य औषधियों के दुष्प्रभावों से भी रोगी को बचा सकतीं हैं । इस प्रकार का सुझाव मैं पूर्व की बैठकों में तकनीकी समूह के समक्ष रख चुका हूँ । डॉ तोमर ने बताया कि आयुर्वेद रोगी की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करता है । परिणामस्वरूप क्षय रोग के जीवाणुओं की न केवल वृद्धि रुकती है अपितु उनका विनाश भी संभव है । व्याख्यान के प्रारम्भ में संस्थान के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम् ने डॉ तोमर का अभिनंदन किया एवं परिचय कराया । कार्यक्रम के अंत में डॉ प्रज्ञा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया । इस अवसर पर कायचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ कमलेश कुमार पाण्डेय, डॉ डी के सिंह सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे ।

न्याय सहायक प्रयोगशालाओं में लंबित मामलों के निपटारे से मिल रहा त्वरित न्याय

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल से न्याय प्रक्रिया को नई गति

मुंबई। 'सभी के लिए न्याय, त्वरित न्याय' के सिद्धांत पर राज्य सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल और मार्गदर्शन में न्याय प्रणाली से जुड़ी कमियों को दूर करते हुए त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जा रहा है। नए आपराधिक कानूनों के तहत तेज़ न्याय को प्राथमिकता दी गई है, जिसके अनुरूप न्याय सहायक वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में लंबित मामलों का तेज़ी से निपटारा किया जा रहा है। इससे न्याय प्रक्रिया में उल्लेखनीय गति आई है।

न्याय सहायक वैज्ञानिक प्रयोगशाला संचालनालय के अंतर्गत लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही नियमित समीक्षा के माध्यम से इन मामलों के निपटारे की प्रक्रिया को और अधिक गतिमान किया गया। संचालनालय की प्रयोगशालाओं में वर्ष 2025 में कुल 1 लाख 81 हजार मामले लंबित थे, जबकि 2 लाख 94 हजार नए मामले प्राप्त हुए। विशेष अभियान के तहत दिसंबर 2025 के अंत तक 3 लाख 96 हजार 879 मामलों का निपटारा कर लंबित मामलों की संख्या घटाकर 79 हजार 542 कर दी गई है।

विशेष अभियान के अंतर्गत सभी विभागों के कार्य-मानकों में वृद्धि की गई। संचालनालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक अतिरिक्त कार्य घंटों में तथा सरकारी अवकाश के दिनों में भी कार्य कर लंबित मामलों का निपटारा किया। जहां संचालनालय की वार्षिक निपटान क्षमता सामान्यतः 2 लाख से 2 लाख 15 हजार मामलों की थी, वहीं मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार 3 लाख 96 हजार 879 मामलों का निपटारा कर 1 लाख 02 हजार 413 अतिरिक्त मामलों का समाधान किया गया।

दिसंबर 2025 के अंत तक 'कन्वेंशनल फॉरेंसिक' विभाग द्वारा 3 लाख 96 हजार 275 मामलों का निपटारा किया गया है। इस विभाग में 27 हजार 524 नए मामले प्राप्त हुए हैं। फरवरी 2026 से यह व्यवस्था लागू की जा रही है कि जिस दिन मामला प्राप्त होगा, उसी दिन उसके विश्लेषण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इससे मामलों के लंबित रहने की समस्या समाप्त होगी और पीड़ितों को त्वरित न्याय सुनिश्चित हो सकेगा। इसके साथ ही कंप्यूटर अपराध, साइबर, ध्वनि एवं ऑडियो टेप विभागों के लंबित मामलों का निपटारा भी तेज़ी से किया जा रहा है।

न्याय प्रक्रिया के तेज़ होने से अब पीड़ितों को वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। त्वरित न्याय सुनिश्चित करने में न्याय सहायक वैज्ञानिक प्रयोगशाला संचालनालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संचालनालय को और अधिक सशक्त बनाने पर ज़ोर दिया है। राज्य के प्रत्येक उपविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय को 'मोबाइल फॉरेंसिक वैन' उपलब्ध कराई जा रही है। इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप राज्य में न्याय प्रक्रिया को नई गति मिल रही ।

बीएमसी में सत्ता का संग्रामः संजय राउत का शिंदे पर हमला, मेयर के लिए दिल्ली से लेनी होगी मंजूरी

मुंबई।शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तीखा हमला बोला। यह हमला मुंबई महापौर पद को लेकर सत्तारूढ़ महायुति के भीतर चल रही खींचतान की खबरों के बीच हुआ। राउत ने कहा कि अगर शिंदे बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के शीर्ष पद पर किसी शिवसेना नेता को बिठाना चाहते हैं, तो उन्हें पहले वरिष्ठ भाजपा नेताओं को मनाना होगा। बीएमसी चुनावों में भाजपा-शिवसेना युति की स्पष्ट जीत के बावजूद, महापौर पद पर अभी तक अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। 227 सदस्यीय नगर निकाय में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना भारत के सबसे समृद्ध नगर निगम पर अपना लंबे समय से चला आ रहा नियंत्रण बरकरार रखना चाहती है।

मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने गठबंधन में शिंदे की

राजनीतिक स्थिति पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मेयर पद के लिए शिंदे की कोई परवाह नहीं करता। इससे ज्यादा अपमानजनक और क्या हो सकता है कि जो लोग खुद को शिवसेना कहते हैं, बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर लगाते हैं, और फिर मुंबई के मेयर पद के लिए दिल्ली जाकर गुजराती नेताओं के चरणों में बैठते हैं। राउत ने आगे कहा कि मेयर की घोषणा में देरी का एक कारण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अनुपस्थिति भी है, क्योंकि वे इस समय विश्व आर्थिक मंच में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस में हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने मुख्यमंत्री की दावोस यात्रा की आवश्यकता पर भी सवाल उठाया और आरोप लगाया कि भारतीय कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं, जो उनके अनुसार मुंबई में ही किए जा सकते थे। राउत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि देश भर के मुख्यमंत्री दावोस में पिकनिक मना रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से राजनीतिक नेताओं की विदेश यात्राओं पर हुए खर्च को सार्वजनिक करने की मांग की।

दावोस शिखर सम्मेलन को 'भारतीय दृष्टिकोण से हास्यास्पद' बताते हुए राउत ने कहा कि करदाताओं का पैसा विदेश यात्राओं पर खर्च किया जा रहा है, जबकि इसी तरह के कार्यक्रम देश के भीतर भी आयोजित किए जा सकते हैं। कल्याण-डोम्बिवली नगर निगम के दो शिवसेना (यूबीटी) पार्षदों के बारे में पूछे जाने पर, जिनके कथित तौर पर संपर्क से बाहर होने की खबर है, राउत ने कहा कि पार्टी ने उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मेदवेदेव शुरुआती मुश्किलों से बचकर तीसरे राउंड में पहुंचे

मेलबर्न **(एजेंसी)**। रूस के डेनियल मेदवेदेव बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में फ्रांसीसी खिलाड़ी क्वेंटिन हैलिस के खिलाफ शुरुआती मुश्किलों से बच गए, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत करके 6-7(9) 6-3 6-4 6-2 से जीत हासिल की। मेलबर्न पार्क में तीन बार के फाइनलिस्ट मेदवेदेव ने पहले सेट में एक घंटे से ज़्यादा समय तक संघर्ष किया, लेकिन एक कड़े टाईब्रेक के बाद हार गए।

रूसी खिलाड़ी का दूसरे सेट में भी दुनिया के 83वें नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआती गेम तोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने अपनी लय वापस पाई और मैच बराबर कर लिया। 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने तीसरे सेट में बेसलाइन पर नियंत्रण रखा और शुरुआती ब्रेक पॉइंट को भुनाया और उसके बाद आक्रामक सर्विस गेम खेला। फिर मेदवेदेव ने हैलिस के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाते हुए ज़ोरदार ग्राउंडस्ट्रोक से जीत हासिल की और तीसरे राउंड में पहुंच गए।

जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं ब्रिस्बेन में बहुत बेहतर खेल रहा था। मैं अभी भी यहां के कोर्ट के हिसाब से पूरी तरह से ढल नहीं पाया हूं। मुझे लगता है कि मेरे शॉट्स में थोड़ी पावर की कमी है। लेकिन जब आप किसी टूर्नामेंट में जीतते रहते हैं, तो आप धीरे-धीरे इसमें ढल जाते हैं। यह पिछले कुछ सालों में पहली बार है जब मैं किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में हूँ, इसलिए अच्छा महसूस कर रहा हूं।'

घर से टी20 वर्ल्ड कप देखना थोड़ा अजीब लगेगा : रोहित शर्मा

मुंबई **(एजेंसी)**। भारत के 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान रोहित शर्मा जियोहॉटस्टार के 'कैप्टन रोहित शर्माज रोडमैप फॉर टी20 वर्ल्ड कप' में जतिन सप्रू के साथ बैठे, जहां उन्होंने पहले टी20 वर्ल्ड कप के बारे में बात की जिसमें वह हिस्सा नहीं लेंगे, अपने टीम के साथियों के साथ बनाए गए रिश्तों और बॉन्ड के बारे में अपने विचार शेयर किए, मुश्किल सिलेक्शन के फैसले लेने और आने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम के बारे में अपनी राय बताई।

रोहित शर्मा ने माना कि अपने करियर में पहली बार टी20 वर्ल्ड कप मिस करना उनके लिए एक अजीब एहसास होगा। उन्होंने कहा, 'हम घर पर इस बारे में बात कर रहे थे कि घर से इसे देखना अजीब लगेगा, खासकर टी20 वर्ल्ड कप। जब से यह शुरू हुआ है, तब से अब तक मैं हर वर्ल्ड कप का हिस्सा रहा हूं, इसलिए यह अलग लगेगा। जब मैं टीम को टी20 मैच खेलते हुए देखता हूं, तो मिस करने का एहसास उतना नहीं होता। लेकिन जब आप वर्ल्ड कप मिस करते हैं, तो असलियत का एहसास होता है। तभी आपको पता चलता है कि आप इसका हिस्सा नहीं बनने वाले हैं। तो यह थोड़ा अजीब लगेगा। हालांकि, मैं स्टेडियम में कहीं रहूंगा। यह वैसा नहीं होगा और यह एक अलग अनुभव होगा, लेकिन मैं असल में इसके लिए उत्सुक हूं। यह काफी शानदार होगा।'

अपनी कप्तानी के दौरान टीम के साथियों के बीच सम्मान पाने और रिश्ते बनाने के बारे में रोहित ने कहा, 'खिलाड़ियों के साथ अभी भी वैसा ही रिश्ता होना बहुत अच्छा लगता है और यही मैं हमेशा टीम में चाहता था, किसी भी चीज पर खुलकर बात करना, सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि जिंदगी के बारे में भी, खेल के बाहर की कोई भी बात। जिंदगी में क्या चल रहा है, घर पर क्या हो रहा है, इस तरह की बातें। मैं हमेशा वैसा ही इंसान बनना चाहता था, क्योंकि मुझे पता है कि जब आप पहली बार टीम में शामिल होते हैं, तो खुलने में समय लगता है। इसलिए, जब मैं यहां बैठा होता हूं या जब मैं टीम के ड्रेसिंग रूम में जाता हूं, तो मैं कभी नहीं चाहता कि किसी को ऐसा लगे कि उन्हें खुलने में समय लगेगा।'

भारतीय ओपनर ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि उन्हें लगे कि वे बस आकर खुलकर बात कर सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे सोचें कि उन्हें आकर बात करनी चाहिए या नहीं। मैं कभी नहीं चाहता था कि किसी के मन में ऐसा ख्याल आए। मैं जितना हो सके उतना खुला और सीधा रहने की कोशिश करता हूं, और इसीलिए ये लोग मेरा बहुत मजाक उड़ाते हैं। कोई सीमा नहीं है; हमेशा एक खुला दरवाजा होता है। साथ ही, हम एक-दूसरे की टांग खींचते हैं, खैर, हम नहीं, वे मेरी टांग खींचते हैं। मैं हमेशा ऐसा ही माहौल चाहता था, और मुझे यह सच में बहुत पसंद है।'

टीम में एकजुटता और पुरुष टी20 वर्ल्ड कप इंडिया और श्रीलंका 2026 के लिए भारतीय टीम के बारे में रोहित ने कहा, 'मुझे लगता है कि एकजुटता और आपसी भरोसा सबसे जरूरी चीजें हैं। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो ये खिलाड़ी लगभग 2 साल से एक साथ खेल रहे हैं। कुछ खिलाड़ी बाहर हुए हैं और कुछ नए आए हैं, लेकिन इसके अलावा, मुझे लगता है कि पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद से लगभग 80 से 90 प्रतिशत टीम वही रही है। जब मैं मैच देखता हूं, तो मुझे लगता है कि टीम में आपसी समझ बहुत अच्छी है, जो एक साथ खेलने से बनी है।'

रोहित ने कहा, 'एक अच्छी बात यह है कि कुछ अपवादों को छोड़कर, लगभग सभी खिलाड़ी एक ही उम्र के हैं। वैसे, मुझे लगता है कि औसत उम्र शायद 25 के आस-पास है, जो हमेशा अच्छा होता है, क्योंकि जब आप वर्ल्ड कप में जा रहे होते हैं, तो आपको बहुत सारी बातचीत, खुलकर बातचीत और कुछ मुश्किल बातचीत भी करनी पड़ती है, क्योंकि एकमात्र लक्ष्य वल्डर् कप जीतना होता है। इसके लिए, अगर आपको कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़ते हैं, जिससे आपके साथ खेलने वाले किसी खिलाड़ी, यहाँ तक कि किसी करीबी दोस्त को भी बुरा लग सकता है, तो भी ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों के बीच इस तरह का रिश्ता बनाना बहुत जरूरी है।'

इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका टीम की घोषणा, दुष्मंथा-धनंजय की वापसी

कोलंबो **(एजेंसी)**। चरिथ असालंका, जिन्हें आगामी टी20 विश्व कप के लिए श्रीलंका के कप्तान पद से हटा दिया गया था, इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में फिर से कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे, चयनकर्ताओं ने 50 ओवर के फॉर्मेट में हाल ही में अनुपस्थित रहने के बाद दुष्मंथा चमीरा और धनंजय डी सिल्वा को भी टीम में वापस बुलाया है।

असालंका ने बीमार पड़ने के बाद टी20 ट्राई-सीरीज से पहले असिथा फर्नांडो के साथ घर लौटकर पाकिस्तान का श्रीलंका दौरा बीच में ही छोटा कर दिया था, लेकिन अब उन्हें एक बार फिर टीम का नेतृत्व करने के लिए फिट माना जा रहा है। चमीरा की वापसी से तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत होता है, जबकि धनंजय डी सिल्वा मध्य क्रम में गहराई और बहुमुखी प्रतिभा जोड़ते हैं।

लाहिरू उदाना, जो पाकिस्तान में वनडे टीम का हिस्सा थे, इस बार टीम में नहीं हैं। टीम में पथुम निसंका और कुसल मेंडिस के रूप में एक स्थिर टॉप ऑॅर्डर है, जबकि सदीरा समरविक्रमा और कामिंदु मेंडिस मध्य क्रम में स्थिरता प्रदान करना जारी रखेंगे। ऑलराउंडर विकल्प एक प्रमुख फोकस बने हुए हैं, जिसमें वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेल्लालागे और धनंजय लचीलापन प्रदान करते हैं, जबकि महेश थीक्षाना और जेफरी वेंडरसे अन्य स्पिनर हैं।

तेज गेंदबाजी समूह में चमीरा, प्रमोद मदुशन, असिथा फर्नांडो, मिलान रत्नायके और ईशान मलिंगा शामिल हैं। तीन मैचों की वनडे सीरीज 22 जनवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में शुरू होगी। दूसरा और तीसरा वनडे उसी स्थान पर 24 और 27 जनवरी को खेला जाएगा, जिसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका की वनडे टीम : चरिथ असालंका (कप्तान), पथुम निसंका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, पवन रथनायके, धनंजया डी सिल्वा, जेनिथ लियानागे, कामिंदु मेंडिस, दुनिथ वेल्लालागे, वानिंदु हसरंगा, जेफरी वेंडरसे, महीश थीक्षाना, मिलन रथनायके, असिथा फर्नांडो, प्रमोद मदुशन, ईशान मलिंगा।

एम्बाप्पे ने दागे दो गोल, रियल मैड्रिड ने मोनाको को हराया

मैड्रिड **(एजेंसी)**। किलियन एम्बाप्पे ने अपने पुराने क्लबों में से एक के खिलाफ दो गोल किए जिससे रियल मैड्रिड ने घरेलू मैदान पर मोनाको को 6-1 से हराकर चैंपियंस लीग शुरुआती चरण के टॉप आठ में जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया।

स्ट्राइकर एम्बाप्पे ने मंगलवार को खेले गये मुकाबले में फेडे वाल्वरडे के थ्रू बॉल पर शानदार फिनिश के साथ पांचवें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को बढ़त दिलाई और फिर 26वें मिनट गोलकर हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। मैच का तीसरा गोल फ्रेंको मास्टांटोनो ने 51वें मिनट में किया। फिर थिलो केहरर ने 55वें मिनट में गेंद को अपने ही नेट में डाल दिया। विनिसियस जूनियर ने गोलकर स्कोर 5-0 किया और जूड बेलिंघम ने छठा गोल किया। वहीं मोनाको के लिए एकमात्र गोल जोर्डन तेजे ने किया।

आकाश चोपड़ा का बड़ा बयान- हार्दिक पंड्या के बिना भारतीय टीम अधूरी, दुनिया में नहीं कोई दूसरा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने हार्दिक पंड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस ऑलराउंडर के बिना भारतीय टीम अधूरी है। भारत टी20 विश्व कप से पहले क्रिकेट के इस सबसे छोटे प्रारूप में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की श्रृंखला खेलेगा। विश्व कप में भारत के खिताब बचाने के अभियान में हार्दिक की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। चोपड़ा ने जिओस्टार के एक कार्यक्रम में कहा कि भारतीय टीम में हार्दिक का कोई सानी नहीं है। उन्होंने कहा, "हार्दिक पंड्या के बिना भारतीय टीम अधूरी है। पूरी दुनिया में हार्दिक जैसा कोई दूसरा खिलाड़ी नहीं है।

बल्ले और गेंद से वह जो कर दिखाते हैं, वैसा भारत में कोई और नहीं कर सकता।" चोपड़ा ने कहा, "भारत भले ही अंतिम एकादश में वरुण चक्रवर्ती या कुलदीप यादव जैसे स्पिनर को शामिल करना चाहें, लेकिन फिर भी आपको नंबर आठ पर एक बल्लेबाज की भी जरूरत होगी। आप सब कुछ हासिल नहीं कर सकते। आप 12 खिलाड़ी मैदान पर नहीं उतार सकते।" आकाश ने कहा, "केवल हार्दिक ही ऐसा कर सकते हैं। वह नई गेंद से गेंदबाजी करके प्रभाव डाल सकते हैं और डेथ ओवरों में भी शानदार गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप का आखिरी ओवर भी फेंका था जिसे भारत ने जीता था। इस तरह के कारनामे सिर्फ हार्दिक ही कर सकते हैं। उनके जैसा दूसरा कोई नहीं मिलेगा।" चोपड़ा ने कहा कि चोट और खराब फॉर्म की चिंताओं के बीच भारत के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला महत्वपूर्ण होगी ताकि टीम संयोजन को सही स्वरूप दिया जा सके।

उन्होंने कहा, "न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की यह टी20 श्रृंखला सूर्यकुमार यादव और उनकी टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। न्यूजीलैंड भी पूरी तैयारी के साथ आया है। वनडे श्रृंखला में उन्होंने कुछ खिलाड़ियों को विश्राम दिया था, लेकिन यहां उनकी टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम खेल रही है।

सुपर-रिच पर ज्यादा टैक्स की मांग, करीब 400 करोड़पति-अरबपतियों की अपील

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दुनिया के 24 देशों के करीब 400 करोड़पति और अरबपतियों ने सुपर-रिच पर ज्यादा टैक्स लगाने की जोरदार मांग की है। इन अमीरों का कहना है कि बेहद अमीर वर्ग अपनी दौलत के दम पर राजनीतिक प्रभाव खरीद रहा है, जिससे लोकतंत्र, सामाजिक समानता और पर्यावरण तीनों खतरे में पड़ गए हैं।

यह खुला पत्र स्विट्ज़रलैंड के दावोस में चल रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मौके पर जारी किया गया है। इसमें सम्मेलन में शामिल वैश्विक नेताओं से अमीरों और आम जनता के बीच बढ़ती खाई को पाटने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की गई है।

पत्र में कहा गया है कि अत्यधिक दौलत राजनीति को दूषित कर रही है, सामाजिक बहिष्कार को बढ़ावा दे रही है और जलवायु संकट को और गंभीर बना रही है। पत्र के मुताबिक, 'कुछ गिने-चुने वैश्विक ओलिगार्क अपनी अथाह संपत्ति के बल पर लोकतंत्र को खरीद रहे हैं, सरकारों पर कब्जा कर रहे हैं, मीडिया की आज़ादी को दबा रहे हैं और तकनीक व नवाचार को अपनी मुट्ठी में ले चुके हैं।' पत्र में चेतावनी दी गई है कि जब खुद करोड़पति यह मानने लगे हैं कि अत्यधिक दौलत ने बाकी समाज से सब कुछ छीन लिया है, तो यह संकेत है कि समाज खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है।

फोर्ब्स के मुताबिक, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोबारा चुने जाने के बाद अमेरिकी इतिहास का सबसे अमीर मंत्रिमंडल बनाया। अगस्त 2025 तक इस कैबिनेट की कुल संपत्ति करीब 7.5 अरब डॉलर आंकी गई थी।

क्रिकेट जगत में शोक की लहर, 1600 से अधिक विकेट लेने वाले दिग्गज स्पिनर का निधन

लंदन **(एजेंसी)**। इंग्लैंड, वोरसेस्टर शायर और वार्विकशायर के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर नॉर्मन गिफोर्ड का लंबी बीमारी के बाद 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से इंग्लिश क्रिकेट और काउंटी क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

नॉर्मन गिफोर्ड वोरसेस्टरशायर की उन ऐतिहासिक टीमों के अहम सदस्य थे, जिन्होंने 1964 और 1965 में काउंटी चैम्पियनशिप का खिताब जीता। इसके अलावा उन्होंने 1974 में क्लब को एक और चैम्पियनशिप दिलाई और 1971 में वोरसेस्टरशायर की तीन संडे लीग खिताबी जीतों में से पहली में अहम भूमिका निभाई। गिफोर्ड ने 1960 से 1982 के बीच कुल 22 वर्षो तक वोरसेस्टरशायर का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने 1, 615 फर्स्ट क्लास विकेट झटके, जो उन्हें क्लब के महानतम गेंदबाजों में शुमार करता है। उनके शानदार योगदान के लिए उन्हें 1975 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया, जबकि क्रिकेट के प्रति सेवाओं के सम्मान में 1978 में एमबीई (शैं) से नवाजा गया।

नॉर्मन गिफोर्ड ने 1964 से 1973 के बीच इंग्लैंड के लिए 15 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 31.09 की औसत से 33 विकेट हासिल किए। उनका सर्वश्रेष्ठ टेस्ट प्रदर्शन कराची में पाकिस्तान के खिलाफ 55 रन देकर 5 विकेट रहा।

एक दिलचस्प और दुर्लभ अध्याय तब जुड़ा, जब 44 वर्ष की उम्र में उन्होंने शारजाह में आयोजित रॉथमैन फोर-नेशंस कप में इंग्लैंड की कप्तानी की। थकाऊ अंतरराष्ट्रीय सत्र के चलते कई वरिष्ठ खिलाड़ी टीम से बाहर थे, जिनमें नियमित कप्तान डेविड गोवर भी शामिल थे। हालांकि इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में गिफोर्ड ने 10 किफायती ओवरों में 23 रन देकर 4 विकेट झटककर सबका ध्यान खींचा।

अपने करियर के अंतिम दौर में गिफोर्ड वार्विकशायर चले गए, जहां उन्होंने पांच सीजन तक कप्तानी की। इसके बाद उन्होंने 1988 में 48 वर्ष की उम्र में क्रिकेट से संन्यास ले लिया।

वोरसेस्टरशायर और वार्विकशायर–दोनों क्लबों पर उनके गहरे प्रभाव को सम्मान देने के लिए नॉर्मन गिफोर्ड ट्रॉफी की शुरुआत की गई, जिसके लिए दोनों टीमें वाइटैलिटी ब्लास्ट के मुकाबलों में आमने-सामने होती हैं। संन्यास के बाद गिफोर्ड वोरसेस्टरशायर क्लब में प्रेसिडेंट के रूप में लौटे और बाद में उन्हें ऑनरेरी वाइस प्रेसिडेंट का पद सौंपा गया।

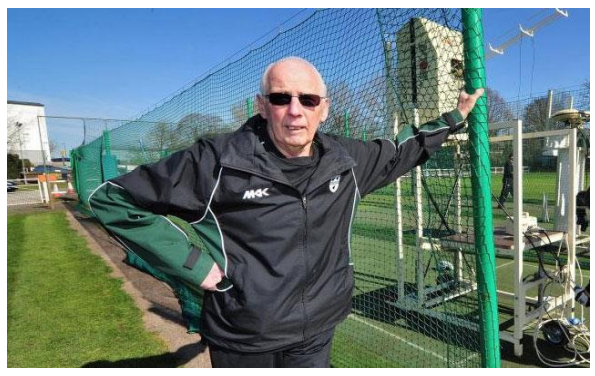

एयरटेल ने कोलकाता के 'विद्यासागर सेतु' पर मोबाइल संपर्क सेवा की शुरू

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारती एयरटेल हुगली नदी पर बने कोलकाता के 'विद्यासागर सेतु' पर निर्बाध मोबाइल संपर्क प्रदान करने वाली पहली दूरसंचार सेवा प्रदाता बन गई है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि कोलकाता और हावड़ा के बीच महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग पर निर्बाध 'वॉइस' एवं डेटा सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस परियोजना में पूरे मार्ग पर 1.3 किलोमीटर फाइबर बिछाना तथा छह खंभों पर नेटवर्क 'एंटेना' लगाना शामिल था ताकि शून्य 'ड्रॉप जोन' सुनिश्चित किया जा सके।

यह पहल पश्चिम बंगाल सरकार, पश्चिम बंगाल पुलिस यातायात विभाग और हुगली नदी पुल आयुक्त (एचआरबीसी) के सहयोग से कार्यान्वित की गई। भारती एयरटेल के पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अयान सरकार ने कहा कि इस व्यस्त गलियारे पर संपर्क यात्रियों के साथ-साथ आपातकालीन सेवाओं एवं यातायात प्रबंधन के लिए भी महत्वपूर्ण है। कंपनी ने बताया कि नेटवर्क की गति और 'कवरेज' में सुधार के लिए उसने पिछले तीन वर्ष में समूचे पश्चिम बंगाल में 5, 250 से अधिक नई नेटवर्क 'साइट' स्थापित की है।

'इतनी बड़ी एक्ट्रेस हो भी नहीं', कियारा आडवाणी के 'अजीब' लुक पर भड़का शख्स; सरेआम लगा दी क्लास

कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन दोनों ही सितारे बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके हैं। जहां कियारा अपनी खूबसूरती से लोगों को दिलों पर राज करती हैं, वहीं कार्तिक अपने चार्मिंग लुक के लिए गर्ल्स के बीच हाई अटेंशन में बने रहते हैं। हालांकि, दोनों इन दिनों अपनी किसी फिल्म या शो को लेकर नहीं बल्कि अपने एक ऐसे बर्ताव को लेकर चर्चा में आ गए हैं, जिसने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कार्तिकेय तिवारी नाम के एक इंफ्लुएंसर ने अपने अकाउंट पर अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उसने कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन के साथ फ्लाइट में हुई मुलाकात के दौरान हुई एक घटना के बारे में बताया है। इंफ्लुएंसर ने अपने वीडियो में बताया कि, यह घटना तब हुई जब वह अपनी मां और भाई के साथ जयपुर से मुंबई जा रहे थे। उन्होंने बिजनेस क्लास की टिकट बुक की थी और इत्तेफाक से कियारा और कार्तिक भी उसी फ्लाइट में उसी क्लास में थे।

तिवारी ने आगे अपने वीडियो में बताते हुए कहा, 'सारा मामला सीट को लेकर हुई एक छोटी सी गलतफहमी से शुरू हुआ।' उन्होंने कहा, 'उनकी मां को सीट नंबर का अंदाजा नहीं था, इसलिए वह गलती से कियारा आडवाणी की सीट पर बैठ गईं। हालांकि, जैसे ही एयर होस्टेस ने उन्हें उनकी गलती बताई, वह तुरंत अपनी सही सीट पर जाकर बैठ गईं, लेकिन उन्हें जो बात बुरी लगी वो था उस दौरान एक्ट्रेस का रिएक्शन।'

तिवारी ने अपने वीडियो में बताया कि, 'कियारा के चेहरे पर नाराजगी साफ दिख रही थी, जैसे उन्हें इस बात से चिढ़ हुई हो कि उनकी सीट पर कोई 'नॉन-सेलिब्रिटी' कैसे बैठ गया।' इंफ्लुएंसर ने इस दौरान कियारा आडवाणी के उस एक्सप्रेशन की नकल भी उतारकर दिखाई और आगे अपनी भड़ास निकालते हुए कहा, 'तुम तो इतनी बड़ी एक्ट्रेस हो भी नहीं, एक बार दीपिका या आलिया ऐसा करतीं तो मैं समझ भी सकता था। वो एक्सप्रेशन मेरे दिमाग में छप गया है। इसलिए मुझे समझ नहीं आता कि, लोग इन सितारों को भगवान की तरह क्यों पूजते हैं।'

इंफ्लुएंसर ने अपने वीडियो में कार्तिक आर्यन के बिहेवियर के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि, 'कार्तिक ने फ्लाइट स्टाफ से ज्यादा बात नहीं की और वे सिर्फ कियारा से ही बात कर रहे थे, वो भी सिर्फ अंग्रेजी में' कातकिय ने कार्तिक के इंग्लिश में बात करने को निराशा जाहिर करते हुए कहा, 'हिंदी का एक वर्ड गलती से आ जाएगा तो कुछ गुनाह हो जाएगा।' तिवारी ने वीडियो आगे ये भी बताया कि, फ्लाइट लैंड होने के बाद जब क्रू मेंबर ने उनके साथ फोटो खिंचवानी चाही, तो दोनों एक्टर्स ने यह कहकर मना कर दिया कि, उन्हें जल्दी है और वे बिना रुके वहां से चले गए।

विद्या की हरकतों का पर्दाफाश करेगी अभिरा मां की सच्चाई जान टूट जाएगा अरमान

टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है के हाई वोल्टेज ड्रामा चल रहा है। सीरियल में अभिरा और अरमान पर वाणी की जिम्मेदारी आ गई है और इसी जगह से दोनों के बीच परेशानियां आ रही हैं। अब आने वाले एपिसोड में विद्या और अभिरा का सामना सामना होगा। बीते एपिसोड में देखने के लिए मिला था कि विद्या की बातें सुनकर वाणी घर छोड़कर चली जाती है लेकिन इस वजह से उसकी और अभिरा की जान खतरे में पड़ जाएगी। आइए आपको बताते हैं कि अपकमिंग एपीसोड में क्या क्या होगा।

टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है में दिखाया जाएगा कि अभिरा के स्कूल से जाते ही मायरा अरमान को फोन करती है और उसे अभिरा के जाने की बात बताती है। इसी दौरान अभिरा भी अरमान को फोन करती है लेकिन वह गुस्से में अभिरा को सुनाकर फोन काट देता है। दूसरी तरफ वाणी पोद्दार हाउस छोड़ते ही दर दर भटकती है और तभी एक आदमी उसे पुलिस स्टेशन लेकर जाने की बात करता है और तभी अभिरा मेहर अलग अलग कोने से उसे देख लेती है। मेहर उसे सीधा कार से टक्कर मारने की कोशिश करती है लेकिन अभिरा उसे बचा लेती है। इसी बीच अरमान मायरा को समझाता है कि वह अपनी मां के लिए जेल्स नहीं हो सकती। इसके बाद मायरा को अपनी गलती का एहसास होता है और वह अरमान को पेट दर्द का सच बता देती है।

शो में आगे देखने के लिए मिलेगा कि अभिरा वाणी के पास बहुत सारा कैश देख लेती है और फिर वाणी उसे बताती है कि वह अनाथ आश्रम जा रही है। हालांकि अभिरा उसे घर के आती है उसे फिर विद्या से सवाल करती है लेकिन विद्या उसे अकड़ दिखाकर हर सवाल का जवाब अरमान को देने की बात कहकर चली जाती है। इसके बाद विद्या अरमान को सब सच बता देती है और अरमान भी इस बारे में अभिरा से बात करता है। वह दोनों अपनी स्पेशल जगह पर जाते हैं। इसी बीच अबीर और कियारा घर खाने पर आते हैं और तब अबीर, कियारा और उसकी मां मनीषा को चाची सुरेखा का मजाक उड़ाते सुन लेता है और कियारा को सबके सामने सुनता है। शो की आगे दिखाया जाएगा कि कियारा को दादी सा काफी समझाती है और सुए ससुराल के लिए सीरियस होने के लिए कहती है। वह मनीषा को भी उसकी गलती समझाती है और इसी बीच अरमान भी अभिरा से शांति से बात करता है।

संधिवात का बढ़ता खतरा समाज के लिए गंभीर चेतावनी - डॉ. जी. एस. तोमर

विशिष्ट आयुर्वेदिक ओपीडी में सैकड़ों रोगियों की जांच, अधिकांश की हड्डियाँ कमजोर

गोरखपुर। बदलती जीवनशैली और असंतुलित खान-पान का सीधा असर अब लोगों की हड्डियों और जोड़ों पर दिखाई देने लगा है। संधिवात (गठिया) के रोगियों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है, यह बात वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. जी. एस. तोमर ने महंत दिग्विजय नाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यधाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर में आयोजित विशिष्ट ओपीडी के दौरान कही।

डॉ. तोमर द्वारा आयोजित इस विशेष ओपीडी में शताधिक रोगियों को प्रत्यक्ष रूप से परामर्श एवं उपचार मार्गदर्शन प्रदान किया गया। ओपीडी में आने वाले अधिकांश रोगी गठिया, मधुमेह, श्वास रोग, लिवर से संबंधित विकारों एवं हड्डियों की कमजोरी से पीड़ित पाए गए। उन्होंने बताया कि आज संधिवात केवल वृद्धावस्था की बीमारी नहीं रह गई है, बल्कि युवा और मध्यम आयु वर्ग भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति है।

इस अवसर पर झंडु इमामी समूह के सौजन्य से रोगियों की निःशुल्क बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि अधिकांश रोगियों की हड्डियों की घनत्व क्षमता सामान्य से काफी कम पाई गई, जिससे भविष्य में ऑस्टियोपोरोसिस, फ्रैक्चर और स्थायी जोड़ों के दर्द का खतरा बढ़ सकता है।

डॉ. तोमर ने कहा कि देर रात तक जागना, शारीरिक श्रम की कमी, जंक फूड, अत्यधिक मीठा व तैलीय भोजन तथा मानसिक तनाव संधिवात और अन्य दीर्घकालिक रोगों के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने रोगियों को केवल औषधि पर निर्भर न रहने की सलाह देते हुए आयुर्वेदिक चिकित्सा के साथ संतुलित आहार, नियमित योगासन, प्राणायाम एवं दिनचर्या सुधार को अपनाने पर विशेष जोर दिया।

विशेष ओपीडी के दौरान रोगियों को व्यक्तिगत रूप से खान-पान संबंधी परामर्श, जीवनशैली सुधार एवं रोग-निवारण उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया और इसे जनस्वास्थ्य की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया।

स्थानीय नागरिकों एवं रोगियों ने इस प्रकार की निःशुल्क जांच एवं आयुर्वेदिक परामर्श सेवाओं को आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के निरंतर आयोजन की मांग की।

हैदराबाद विवि में प्रख्यात लेखिका नीरजा माधव का वामपंथी छात्रों ने किया घेराव, प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने कहा 'यह घोर असहिष्णुता' है

हैदराबाद। सनातन संस्कृति और हिंदी भाषा के प्रति घृणा की एक अफसोसनाक मिसाल विगत दिनों 20 जनवरी को हैदराबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में आयोजित सेमिनार में देखने को मिली, जहां प्रख्यात लेखिका नीरजा माधव को विरोध और हिंसक नारेबाजी का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि डॉ. नीरजा माधव को थर्ड जेंडर विमर्श पर व्याख्यान देने हेतु हैदराबाद विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया गया था। वहां पहुंचने पर आयोजकों ने भारतीय संस्कृति की प्रखर चिंतक नीरजा माधव से अनुरोध किया कि वे भारतीय संस्कृति पर भी अपना एक व्याख्यान दें। 'भारतीय संस्कृति और थर्ड जेंडर' विषय पर व्याख्यान देने के बाद प्रश्न उत्तर काल में उपस्थित कुछ छात्रों ने होमो सेक्सुअल और लेस्बियन पर आधारित प्रश्न करते हुए कहा कि मनुस्मृति में समलैंगिकता का संदर्भ है जिसके आधार पर उन्हें कानूनी मान्यता मिली है। उनके प्रश्न का जवाब देते हुए नीरजा माधव ने जब कहा कि लेस्बियन और होमोसेक्सुअलिटी किसी की मानसिक आवश्यकता हो सकती है और आपकी अपनी इच्छा भी हो सकती है लेकिन यह थर्ड जेंडर जैसी समस्या नहीं है। थर्ड जेंडर प्रकृति के एक क्रूर मजाक के कारण अभिशप्त जीवन जीते हैं। नीरजा माधव ने सभागार में उपस्थित छात्रों से यह भी पूछा कि आप लोगों में से ओरिजिनल मनुस्मृति को किसने पढ़ा है, कृपया हाथ उठाएं। कोई हाथ नहीं उठा। किसी ने नहीं पढ़ा था। नीरजा माधव ने कहा कि किसी भी पुस्तक, ग्रंथ या शास्त्र का खंडन करने से पहले उसका अध्ययन करना आवश्यक होता है।

सत्र समाप्त होने के 1 घंटे के भीतर ही विश्वविद्यालय के आइसा और एसएफआई संगठन के सैकड़ो छात्रों ने हाथों में बैनर लहराते हुए नारे लगाते हुए नीरजा माधव की कार को घेर लिया और उनसे माफी मांगने की जिद करने लगे। नीरजा माधव ने कार से निकलकर उनकी इस मांग का प्रतिरोध किया और कहा कि जब मैंने कोई गलत बात कही ही नहीं तो फिर किस बात के लिए माफी? यह तो संभव ही नहीं है कि मैं माफी मांगू। मैंने जो भी बातें कही हैं ,वह सत्य कहीं है। आपकी असहमति हो सकती है। इस पर छात्र उग्र होकर मोदी विरोधी , संघ विरोधी नारे लगाने लगे ।

यह भी ज्ञातव्य है कि हैदराबाद विश्वविद्यालय प्रायःकिसी भी भारतीय संस्कृति के लेखक या वक्ता को वामपंथी विचारधारा के लोगों ने मंच से कुछ बोलने नहीं दिया है। यह पहला अवसर था जब नीरजा माधव ने डंके की चोट पर वहां मंच से आइसा और एसएफआई के छात्रों के बीच भी भारतीय संस्कृति की बातें पुरजोर ढंग से रखीं। इतना ही नहीं, प्रश्न काल के दौरान एक छात्रा ने जब उनसे अंग्रेजी में प्रश्न करने की कोशिश की तो उन्होंने कहा कि आप हिंदी की विद्यार्थी हैं तो मुझसे हिंदी में बात करिए। इस पर भी उस छात्रा ने प्रतिरोध किया।

घटना की निंदा करते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक प्रो.संजय द्विवेदी ने कहा कि यह घोर असहिष्णुता का परिचायक है कि एक लेखक की अभिव्यक्ति की आजादी भी छीन ली जाए। भारतीय विश्वविद्यालयों में इस प्रकार की मानसिकता को पनपने देना यानी राष्ट्र को कमजोर करना है। उन्होंने कहा संविधान की बात करना और उसका पालन करना दो भिन्न बातें हैं। वामपंथियों से सच हजम नहीं होता इसलिए वे हिंसा पर उतर आते हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने लिपिक की आत्महत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कुछ दिन पहले 43 साल के एक प्रशासनिक लिपिक की आत्महत्या के मामले में इस स्तर पर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने से बुधवार को इनकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत कार्यवाही चल रही है, और रिपोर्ट का इंतजार है।

पीठ ने कहा कि मृतक के परिवार को कानून के मुताबिक राहत दी गई है। उसने कहा, ''हमने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। किसी भी चीज की कमी नहीं है।'' अदालत ने कहा, ''इसलिए, कानून के तहत आगे की कार्रवाई इस कार्यवाही के परिणामों पर निर्भर करेगी। हमें इस समय प्राथमिकी दर्ज करने का

निर्देश देने का कोई कारण नहीं दिखता।'' अहलमद (प्रशासनिक लिपिक) के रूप में कार्यरत हरीश सिंह महार (43) ने 9 जनवरी को कथित तौर पर काम के दबाव में साकेत अदालत परिसर के अंदर एक इमारत से कूदकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि पुलिस को उनके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला। अदालत आनंद लीगल एड फोरम ट्रस्ट की एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इस घटना पर प्राथमिकी दर्ज करने और लिपिक की खाली जगहों को भरने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। पीठ ने भरोसा दिलाया कि उच्च न्यायालय प्रशासन को स्थिति का पता है, और राजधानी की जिला अदालतों में लिपिक कर्मियों की खाली जगहों और जरूरत का पता लगाने और काम के बंटवारे को तर्कसंगत बनाने के लिए एक ऑडिट किया जा रहा है। अदालत ने कहा कि ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर अधिकारी कदम उठाएंगे।

ओडिशा उच्च न्यायालय का बड़ा एक्शन अवमानना केस में शिक्षा सचिव अरविंद अग्रवाल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

भुवनेश्वर **(एजेंसी)**। ओडिशा उच्च न्यायालय ने उच्च शिक्षा सचिव अरविंद अग्रवाल के खिलाफ अदालत की अवमानना के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। 2007 बैच के आईएएस अधिकारी अग्रवाल, उच्च शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी तपन कुमार पटनायक द्वारा दायर एक मामले से संबंधित अदालत के आदेश का पालन करने में विफल रहे, जिन्हें वेतन वृद्धि से वंचित कर दिया गया था।

यह मामला 30 जुलाई, 2025 के एक पूर्व आदेश से संबंधित है, जिसमें सरकार को आठ सप्ताह के भीतर एक विशिष्ट अभ्यावेदन पर निर्णय लेने का निर्देश दिया गया था। उपरोक्त टिप्पणियों के साथ, रिट याचिका का निपटारा किया जाता है, याचिकाकर्ता को दो सप्ताह के भीतर साक्ष्य सहित उचित अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की

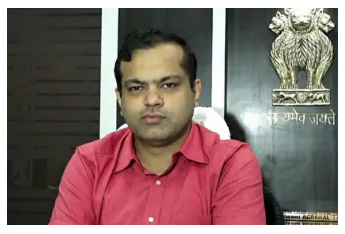

स्वतंत्रता दी जाती है, और यदि ऐसा अभ्यावेदन प्रस्तुत किया जाता है, तो संबंधित विपक्षी पक्ष अगले आठ (8) सप्ताह के भीतर उस पर निर्णय लेंगे।

इस संबंध में, सभी दलीलें खुली रखी जाती हैं। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि विचाराधीन निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के उपरोक्त आदेशों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। अब, कोई लागत नहीं। 12 दिसंबर, 2025 को हुई सुनवाई के दौरान, अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता (एजीए) ने कहा कि अनुपालन की रिपोर्ट अगली सुनवाई तक प्रस्तुत कर दी जाएगी। 16 जनवरी, 2026 तक, अनुपालन का कोई प्रमाण नहीं मिला है। न्यायाधीश ने इसे 'वचन का उल्लंघन' और 'गंभीर अवमानना' करार दिया। अदालत ने अरविंद अग्रवाल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया ताकि उन्हें 22 जनवरी, 2026 को अदालत में पेश किया जा सके।

अदालत के आदेश में कहा गया है, 'इस मामले में 16.12.2025 को पारित आदेश के अंतिम भाग में दी गई चेतावनी के बावजूद, कोई अनुपालन नहीं हुआ है। अवमानना करने वाले बेहद निर्लज्ज प्रतीत होते हैं। उपरोक्त परिस्थितियों में, गिरफ्तारी वारंट जारी करें और अवमानना करने वालों को 22.01.2026 को इस अदालत के समक्ष पेश करें। हालांकि, यदि इस बीच आदेश का अनुपालन किया जाता है, तो इस आदेश के तहत अवमानना करने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

ट्रंप प्रशासन का वेनेजुएला पर कसा शिकंजा : समुद्र में प्रतिबंध तोड़ने की दी सजा, 7वां तेल टैंकर किया जब्त

काराकास **(एजेंसी)**। वेनेजुएला के तेल पर नियंत्रण हासिल करने के अमेरिका के ट्रंप प्रशासन के व्यापक प्रयासों के तहत अमेरिकी सैन्य बलों ने मंगलवार को दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला से जुड़े सातवें तेल टैंकर पर चढ़कर उस पर नियंत्रण कर लिया। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिकी बलों ने जहाज सगीटा को 'बिना किसी बाधा के' पकड़ लिया और यह टैंकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'प्रतिबंधित जहाजों पर कैरिबियाई क्षेत्र में लगायी गई रोक' का उल्लंघन करते हुए परिचालन कर रहा था। सैन्य कमान ने यह नहीं बताया कि क्या अमेरिकी तटरक्षक बल (यूएस कोस्ट गार्ड) ने टैंकर को अपने नियंत्रण में लिया है, जैसा कि पहले जहाजों को जब्त करने में होता रहा है।

अधिक जानकारी मांगे जाने पर पेंटागन और दक्षिणी कमान दोनों ने कहा कि उनके पास इस मामले में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं है। सगीटा लाइबेरिया का ध्वजवाहक टैंकर है और इसके पंजीकरण के अनुसार यह हांगकांग की एक कंपनी के स्वामित्व और प्रबंधन में है। जहाज ने आखिरी बार दो महीने से अधिक समय पहले उत्तरी यूरोप के बाल्टिक सागर से निकलते समय अपनी लोकेशन भेजी थी। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने इस टैंकर पर 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले से जुड़े एक शासकीय आदेश के तहत प्रतिबंध लगाए थे।

अमेरिकी दक्षिणी कमान की पोस्ट में संकेत दिया गया कि जहाज ने वेनेजुएला से तेल लिया था। पोस्ट में कहा गया कि टैंकर को जब्त किया जाना ''इस संकल्प को दर्शाता है कि वेनेजुएला से बाहर जाने वाला तेल केवल वही होगा, जो उचित समन्वय के साथ और कानूनी तरीके से भेजा जाए।'' सैन्य कमान ने सगीटा जहाज के समुद्र में तैरने का हवाई फुटेज पोस्ट किया, लेकिन पहले के वीडियो के विपरीत, इस क्लिप में अमेरिकी सेना को हेलीकॉप्टरों में उसकी ओर उड़ते हुए या जहाज के डेक पर उतरते नहीं दिखाया गया। तीन जनवरी की रात संचालिक एक आकस्मिक अभियान में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़े जाने के बाद, ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के तेल के उत्पादन, शोधन और वैश्विक वितरण पर नियंत्रण के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वे टैंकरों को जब्त करने को नकदी जुटाने का एक तरीका मानते हैं, क्योंकि वे वेनेजुएला के बदहाल तेल उद्योग को फिर से खड़ा करने और उसकी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। लगभग दो सप्ताह पहले, ट्रंप ने तेल कंपनियों के अधिकारियों से मिलकर वेनेजुएला में तेल उत्पादन और वितरण को दुरुस्त करने और उन्नत करने के लिए 100 अरब डॉलर निवेश करने के अपने लक्ष्य पर चर्चा की थी।

द.कोरिया में कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

मार्शल लॉ पर सुनाई पहली सजा पूर्व प्रधानमंत्री 23 साल काटेंगे जेल

सियोल **(एजेंसी)**। दक्षिण कोरिया की राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ लाते हुए सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू को 23 साल की सजा सुनाई है। अदालत ने उन्हें पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल द्वारा 3 दिसंबर 2024 को लागू किए गए अल्पकालिक मार्शल लॉ में मुख्य भूमिका निभाने और विद्रोह में सहयोग का दोषी ठहराया। यह पहला न्यायिक फैसला है जिसमें अदालत ने स्पष्ट रूप से माना कि दिसंबर 2024 का मार्शल लॉ संविधान के खिलाफ विद्रोह था। विशेष अभियोजक चो यून-सुक की टीम ने हान के लिए 15 साल की सजा की मांग की थी, लेकिन अदालत ने आरोपों की गंभीरता को देखते हुए इससे कहीं कड़ी सजा सुनाई।

पीठासीन न्यायाधीश ली जिन-ग्वान ने फैसला सुनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री होने के नाते हान पर लोकतांत्रिक जिम्मेदारी थी कि वे संविधान की रक्षा करते, लेकिन उन्होंने अंत तक अपने कर्तव्य की अनदेखी की। अदालत ने कहा कि हान ने न केवल कैबिनेट बैठक बुलाने का सुझाव दिया, बल्कि बैठक के दौरान मार्शल लॉ का विरोध भी नहीं किया। इतना ही नहीं, उन्होंने तत्कालीन गृह मंत्री ली सांग-मिन को सरकार विरोधी मीडिया संस्थानों की बिजली-पानी आपूर्ति काटने जैसे आदेश लागू करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

अदालत ने सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका जताते हुए हान को तुरंत हिरासत में लेने का आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी पाया कि मार्शल लॉ हटाए जाने के बाद उसकी वैधता बढ़ाने के लिए एक संशोधित घोषणा पर हस्ताक्षर करना, फिर उसे नष्ट करना और संवैधानिक अदालत में झूठी गवाही देना भी हान के खिलाफ गंभीर अपराध हैं।

यह फैसला सीधे तौर पर पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल के मुकदमे को प्रभावित कर सकता है। यून पर भी विद्रोह का नेतृत्व करने का आरोप है। उनका ट्रायल पिछले हफ्ते खत्म हुआ, जिसमें अभियोजन पक्ष ने फांसी की सजा की मांग की है। इस मामले में फैसला 19 फरवरी को आना है। दक्षिण कोरिया के संविधान के अनुसार, विद्रोह वह कृत्य है जिसमें देश के किसी हिस्से से राज्य सत्ता को हटाने या संविधान को पलटने के उद्देश्य से हिंसक या असंवैधानिक कदम उठाए जाएं।

नेपाल की राजनीति में बड़ा मोड़ : चुनाव से पहले कार्की कैबिनेट खाली, 4 मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

काठमांडु **(एजेंसी)**। नेपाल में 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली सरकार के चार मंत्रियों ने अपने पदों से इस्तीफा देकर संसदीय चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है।विज्ञान एवं शिक्षा मंत्री महाबीर पुन ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा देने के बाद म्याग्दी जिले से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। इससे पहले सोमवार को संचार मंत्री जगदीश खरेल और खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने भी मंत्री पद छोड़ दिया था। खरेल ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की ओर से ललितपुर-2 सीट से, जबकि गुप्ता ने सिराहा-1 निर्वाचन क्षेत्र से पर्चा भरा है।

कुछ सप्ताह पहले ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्री कुलमान घीसिंग ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने उज्यालो नेपाल पार्टी के अध्यक्ष के रूप में सक्रिय राजनीति में उतरने का फैसला किया और मंगलवार को काठमांडू निर्वाचन क्षेत्र संख्या-3 से नामांकन दाखिल किया। नेपाल निर्वाचन आयोग के अनुसार, आगामी आम चुनाव में 1 करोड़ 89 लाख से अधिक मतदाता मतदान के पात्र हैं, जिनमें 92 लाख से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष 9 सितंबर को तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ युवाओं के नेतृत्व में हुए 'जेन जेड' आंदोलन के बाद इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 12 सितंबर को 73 वर्षीय सुशीला कार्की ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में पद संभाला और उनकी सिफारिश पर राष्ट्रपति ने प्रतिनिधि सभा भंग कर आम चुनाव की घोषणा की।

ट्रंप की ईरान को खुली धमकी

मेरी हत्या की सोचना भी मत, मिट जाएगा नामो निशान, आदेश पहले से तैयार

तेहरान **(एजेंसी)**। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बेहद आक्रामक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या कराई तो अमेरिका ईरान का नामोनिशान मिटा देगा। ट्रंप ने यह चेतावनी मंगलवार को 'न्यूजनेशन' चैनल के कार्यक्रम 'केटी पॉवलिच टुनाइट' को दिए एक साक्षात्कार में दी।ट्रंप ने कहा, 'मेरे बहुत सख्त निर्देश हैं कि अगर मेरे साथ कुछ होता है, तो वे ईरान को नक्शे से मिटा देंगे।' यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ दिन पहले ईरान ने ट्रंप को चेतावनी दी थी। दरअसल ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के लगभग 40 वर्षों के शासन को समाप्त करने की बात कही थी, जिसके बाद तेहरान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। ईरान के सशस्त्र बलों के प्रवक्ता जनरल अबुलफजल शेकारची ने ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा था, 'ट्रंप जानते हैं कि अगर हमारे नेता की ओर हाथ भी बढ़ाया गया, तो हम न सिर्फ उस हाथ को काट देंगे बल्कि उनकी दुनिया में आग लगा देंगे।'ट्रंप इससे पहले भी सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि उन्होंने अपने सलाहकारों को निर्देश दे दिए हैं कि अगर ईरान उनकी हत्या कराने की कोशिश करता है, तो ईरान को पूरी तरह खत्म कर दिया जाए। इन बयानों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और गहराता नजर आ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की तीखी बयानबाजी से मध्य पूर्व में हालात और विस्फोटक हो सकते हैं।

एमपी में 54 बाघों की मौत मामला : उच्च न्यायालय गंभीर, केंद्र और राज्य सरकार को नोटिस

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य में बाघों की मौत के लगातार बढ़ते आंकड़ों पर गंभीरता जताते हुए मंगलवार को केंद्र और राज्य सरकार के साथ-साथ राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। अदालत ने वन्य जीव कार्यकर्ता अजय दुबे की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया।

याचिका में 'टाइगर स्टेट' मध्यप्रदेश में बाघों के जीवन असुरक्षित होने को चुनौती देते हुए बताया गया कि सिर्फ साल 2025 में राज्य में सबसे अधिक 54 बाघों की मौत हुई है। याचिका में बताया गया कि 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरुआत के बाद से एक साल में सबसे ज्यादा बाघों की मौत हुई है और इनमें से 57 प्रतिशत की मौत का कारण अप्राकृतिक है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की पीठ ने याचिका को गंभीरता से लेते हुए केन्द्र व राज्य सरकार के वन एवं पर्यावरण विभाग और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण से जवाब तलब किया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)